भाद्रपद शुक्ल - 10 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 20 ■ अंक - 51 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » शुक्रवार » 13-09-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 पूर्ववर्ती सरकारें गरीबों को शिक्षा देने में असफल रहीं : योगी

6 राष्ट्र को एक सूत्र में जोड़ती है हिंदी भाषा

7 जूनियर एनटीआर के साथ काम करना चाहती हैं जान्हवी कपूर

फर्स्ट टेक

हिंडनबर्ग ने नए आरोपों पर सेबी प्रमुख की चुप्पी पर सवाल उठाए

नई दिल्ली/भाषा। अमेरिका की शोध एवं निवेश कंपनी हिंडनबर्ग रिसर्च ने भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की चेयरपर्सन माधबी पुरी बुच की 'अनुचित व्यवहार, हितों के टकराव और बाजार नियामक के सदस्य के रूप में कार्य करते हुए कंपनियों से भुगतान स्वीकार करने' के नए आरोपों को लेकर 'चुप्पी' पर सवाल उठाया है। हिंडनबर्ग ने जनवरी, 2023 में अदाणी समूह पर स्थानीय बाजार नियमों से बचने के लिए कर पनाहगाह क्षेत्रों का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया था। शोध-निवेश कंपनी ने पिछले महीने आरोप लगाया था कि अदाणी समूह के खिलाफ धीमी जांच के पीछे बाजार नियामक सेबी की चेयरपर्सन बुच के पिछले निवेश और सौदे हो सकते हैं। हालांकि, बुच और अदाणी समूह ने पिछले महीने के आरोपों से इनकार किया था, लेकिन विपक्षी कांग्रेस पार्टी ने हाल के दिनों में सेबी प्रमुख के खिलाफ कई आरोप लगाए हैं।

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

आत्मनिर्भर बनें

सुदृढ़ हो सारा अर्थतंत्र,
अपनी क्षमताओं को तोले।
अपने पुरुषार्थ पसीने से,
रुजगार बढ़े हौले-हौले।
भारत सक्षम होवे समर्थ,
भारतवासी निज पर खोले।
संदेश आत्मनिर्भरता का,
दे कर के सारे ही बोले।।

कर्नाटक के मांड्या जिले में

शोभायात्रा के दौरान दो समूहों के बीच हिंसा भड़की, 52 गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागमंगला/भाषा। कर्नाटक के मांडया जिले के नागमंगला कस्बे में गणेश मूर्ति विसर्जन शोभायात्रा के दौरान दो समूहों के बीच झड़प हो गई, जिसके बाद भीड़ के कई दुकानों और वाहनों को निशाने से स्थिति तनावपूर्ण हो गई।

पुलिस ने बताया कि बुधवार रात की इस घटना के बाद 52 लोगों को गिरफ्तार किया गया है और ऐहतियात के तौर पर 14 सितंबर तक कस्बे में चार से अधिक लोगों के एकत्र होने पर रोक लगा दी गई है। पथराव में दो पुलिसकर्मियों समेत कुछ लोगों को मामूली चोटें आईं।

- विस्तृत समाचार पृष्ठ 3 पर

माकपा के वरिष्ठ नेता

सीताराम येचुरी का निधन

पार्थिव शरीर एम्स को दान किया जायेगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के महासचिव सीताराम येचुरी का बृहस्पतिवार को यहां अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में निधन हो गया। वह लंबे समय से बीमार थे।

येचुरी 72 वर्ष के थे। उनकी हालत पिछले कुछ दिन से गंभीर बनी हुई थी और उन्हें कृत्रिम श्वसन प्रणाली पर रखा गया था। माकपा ने मंगलवार को एक बयान में कहा था कि येचुरी को यहां एम्स में कृत्रिम श्वसन प्रणाली पर रखा गया है। इसमें बताया गया था कि उनका श्वसन नली संक्रमण का उपचार किया जा रहा है।

एम्स ने एक बयान में कहा कि येचुरी के परिवार ने शिक्षण और शोध उद्देश्यों के लिए उनका पार्थिव शरीर अस्पताल को दान कर दिया है।

माकपा ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''अत्यंत दुख के साथ सूचित किया जाता है कि माकपा के महासचिव, हमारे प्रिय कॉमरेड सीताराम येचुरी का आज 12 सितंबर को अपराह्न तीन बजकर तीन मिनट पर एम्स, नई दिल्ली में निधन हो गया। वह श्वसन नली के संक्रमण से पीड़ित थे, जिसके कारण जटिलताएं उत्पन्न हो गईं।''

डॉक्टरों ने किया बातचीत से इनकार

ममता ने इस्तीफे की पेशकश की

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह लोगों की खातिर इस्तीफा देने को तैयार हैं और आरजी कर बलात्कार-हत्या मामले में गतिरोध को हल करने के लिए कनिष्ठ चिकित्सकों द्वारा बातचीत करने से इनकार किये जाने पर खेद व्यक्त किया। बनर्जी ने आंदोलनकारी डॉक्टरों के बैठक के लिए आने का करीब दो घंटे तक इंतजार किया। उन्होंने कहा कि वह भी चाहती हैं कि पीड़िता को न्याय मिले। उन्होंने लगातार गतिरोध के लिए पश्चिम बंगाल की जनता से माफी मांगी। उन्होंने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, हमने पिछले 33 दिनों में बहुत सारी झूठी बातें और अपमान सहन किया है, लेकिन उन्होंने प्रदर्शनकारियों को आश्वासन दिया कि काम पर न लौटकर उच्चतम न्यायालय के निर्देश का उल्लंघन करने के बावजूद वह उनके खिलाफ कार्रवाई नहीं करेंगी। नाटकीय घटनाक्रम में राज्य सचिवालय (नबान्न) के द्वार पर पहुंचे आंदोलनकारी कनिष्ठ चिकित्सकों ने बैठक का सीधा प्रसारण करने की अपनी मांग पूरी होने तक राज्य सरकार के साथ बातचीत करने से इनकार कर दिया।

सीजेआई के आवास पर गणेश पूजा में प्रधानमंत्री के शामिल होने पर विवाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) डी वाई चंद्रचूड़ के आवास पर गणपति पूजा समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शामिल होने को लेकर पैदा विवाद के बीच भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और उसके सहयोगी दलों ने विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए उनकी प्रतिक्रियाओं को 'लापरवाही भरा' बताया और कहा कि शीर्ष अदालत पर 'निराधार आक्षेप' लगाना एक खतरनाक मिसाल पेश करता है।

प्रधानमंत्री मोदी ने बुधवार को यहां सीजेआई के आवास पर गणपति पूजा में भाग लिया था।

इस समारोह से संबंधित एक वीडियो में चंद्रचूड़ और उनकी पत्नी कल्पना दास अपने घर पर मोदी का स्वागत करते हुए दिखाई दे रहे हैं।

सीजेआई के आवास पर मोदी के पूजा में शामिल होने पर विपक्ष के कई नेताओं और उच्चतम न्यायालय के कुछ वकीलों ने तीखी प्रतिक्रिया दी है।

भाजपा ने साधा विपक्ष पर निशाना

भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने यहां पार्टी मुख्यालय में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में आश्चर्य जताया कि सीजेआई के आवास पर एक धार्मिक आयोजन में प्रधानमंत्री के भाग लेने पर भी कुछ लोग राजनीति करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने सवाल किया कि पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह इफ्तार पार्टी का आयोजन करते थे तो क्या उसमें प्रधान न्यायाधीश नहीं आते थे? उन्होंने कहा, ''जब इफ्तार पार्टी में चीफ जस्टिस और प्रधानमंत्री बैठ सकते हैं, गुफ्तगू कर सकते हैं, एक टेबल पर बैठकर जब दोनों की बात हो सकती है... वह भी एक त्यौहार है, यह भी एक त्यौहार है। दोनों त्योहारों के बीच यह अंतर क्यों?'' पात्रा ने कहा कि यह आपत्ति दोनों के मिलने से नहीं है बल्कि गणपति पूजा से है।

भव्य भूमिपूजन एवं खनन मुहूर्त

शनिवार, दि. 14 सितम्बर 2024 प्रातः 11.00 बजे से

जैन रिसोर्ट

Sy. No. 93/2, Hurulagurki Village, Vijayapura Hobli, Devanahalli , Bangalore Rural District, Landmark : Nagarjuna College के सामने

श्री गोडवाड भवन जैन ट्रस्ट (रजि.) द्वारा संचालित संपूर्ण जैन समाज के सहयोग से 7 एकड के विशाल भूखंड पर नंदी हिल की गोद में बनने जा रहे प्रस्तावित जैन रिसोर्ट के भूमि पूजन एवं खनन मुहूर्त प्रसंगें

भूमिपूजन लाभार्थी
श्रीमती पवनबेन फूलचंदजी करबावाला (मांडोत)
: पुत्र-पुत्र वधू :
साधना-नरेन्द्रजी, सविता-अशोकजी, रेखा-संजीवजी
: पौत्र-प्रपौत्र-वधू :
शैफाली-अभिषेक, अक्षत, चारवी, ग्रिवा करबावाला
: पुत्री-दामाद :
रेशमा-आनंदजी बंदामुथा, पूजा-महावीरजी इसराणी
रिया-श्रेयांशजी मूथा, दीक्षा-अक्षितजी डागा
: दोहित्रा : कुणाल-रुपल, गौरव बंदामुथा
: दिव्य आशीष :
डालचंदजी, सजनाबाई, फूलचंदजी, चिराग करबावाला
: फर्म : सादडी-राणकपुर
लक्ष्मी फैशन्स • लक्ष्मी सिल्कस्

खनन विधान लाभार्थी
मातुश्री पानीबाई मानमलजी कानूंगा के दिव्य आशीष से
ललितकुमारजी-सिद्धिकादेवी
: पुत्र-पुत्र वधू :
आशीषकुमारजी-रक्षादेवी,
श्रेणिककुमारजी-डॉलीदेवी
: पौत्र-पौत्री :
विआन, आध्या एवं कानूंगा परिवार
(गढ सिवाना - बेंगलूरु)
पुत्री-दामाद : प्रीति-सुमितकुमारजी सालेचा
दोहित्र : मयन सालेचा
: फर्म : आशीष मेटल्स, बेंगलुरु
इंडियन मनी एंड कानूंगा वैंचर्स एलएलपी

समस्त धर्मप्रेमी सादर आमंत्रित है ।
कार्यक्रम स्थल पर नाश्ता एवं भोजन की व्यवस्था रखी गई है ।

निवेदक
श्री गोडवाड भवन जैन ट्रस्ट, बेंगलूरु

दिलीप सुराणा (अध्यक्ष) · निशांत रांका (प्रोजेक्ट चेयरमैन) · विक्रम करबावाला (महामंत्री)
भंवरलाल करबावाला (उपाध्यक्ष) · ललितकुमार तलेसरा (उपाध्यक्ष) · प्रवीणकुमार सोनीगरा (उपाध्यक्ष)
रमेशकुमार चांदावत (सहमंत्री) · रंगराज हिंगड (सहमंत्री) · गौतम के. मेहता (कोषाध्यक्ष) · राजेशकुमार राठौड (सहकोषाध्यक्ष)
कार्यकारिणी सदस्य
कांतीलाल राठौड, अशोक करबावाला, हरिश सोलंकी, नवरतन पुनमिया, राकेश पुनमिया

QR CODE SCAN ME
Scan for Location

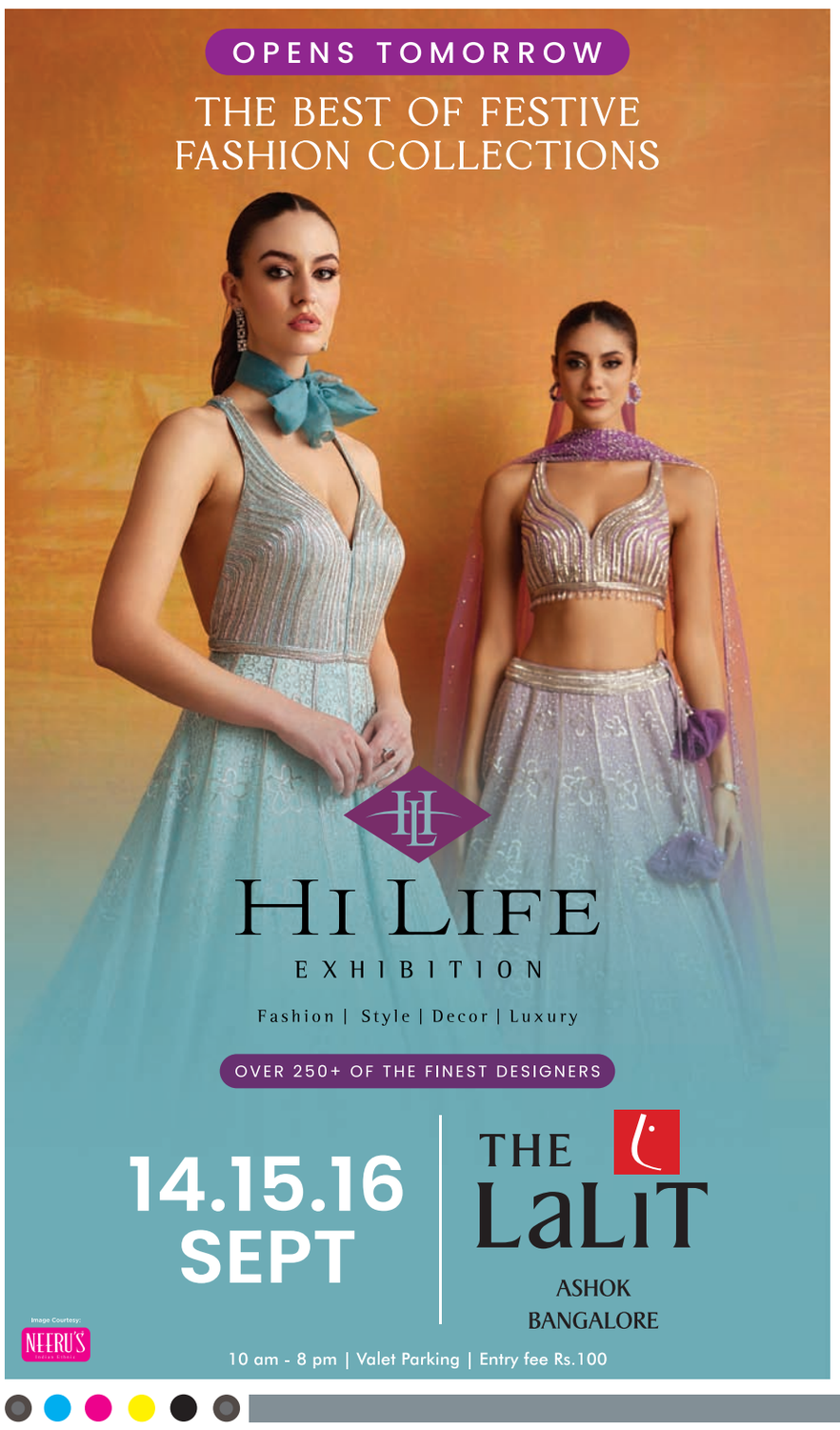

निजी स्पेसवॉक के लिए बाहर निकले अरबपति इसाकमैन

केप केनावेरल/एपी। अरबपति उद्योगपति जेयर्ड इसाकमैन बृहस्पतिवार को पहली निजी 'स्पेसवॉक' के लिए निजी अंतरिक्ष यान स्पेसएक्स से निकले। इसाकमैन और उनके दल ने हैच खुलने से पहले अपने कैप्सूल का दबाव कम होने तक इंतजार किया। इसाकमैन बाहर निकले और अब तक स्पेसवॉक करने वाले कुछ एक लोगों में शामिल हो गए। इनमें अब तक एक दर्जन देशों के केवल पेशेवर अंतरिक्ष यात्री शामिल थे। इसाकमैन ने कहा, घर वापस जाकर, हम सभी के पास करने के लिए बहुत काम है। लेकिन यहां से, यह निश्चित रूप से एक आदर्श दुनिया की तरह दिखता है।'' इसाकमैन ने एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स के साथ मिलकर पांच दिन की यह अंतरिक्ष यात्रा प्रायोजित की है जिसका मुख्य उद्देश्य व्यावसायिक 'स्पेसवॉक' या अंतरिक्ष में चहलकदमी है। कठोर निर्वात से खुद को बचाने के लिए यान में सवार चारों लोगों ने स्पेसएक्स के नए स्पेसवॉकिंग सूट पहने। उन्होंने मंगलवार को फ्लोरिडा से उड़ान भरी थी।

क्षेत्रीय हवाई संपर्क योजना ने हवाई यात्रा को समावेशी बनायाः प्रधानमंत्री मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को भारतीय नागर विमानन क्षेत्र की वृद्धि संभावनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि क्षेत्रीय हवाई संपर्क योजना 'उड़ान' के साथ हवाई यात्रा अब समावेशी हो गई है।

प्रधानमंत्री मोदी ने यहां नागर विमानन पर दूसरे एशिया-प्रशांत मंत्री-स्तरीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि यह क्षेत्र आर्थिक वृद्धि में प्रमुख भूमिका निभाता है और इसमें तमाम नौकरियां पैदा होती हैं। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित करने के प्रयास किए जाने चाहिए कि आसमान सभी के लिए खुला रहे और लोगों का उड़ान भरने का सपना पूरा हो सके।

मोदी ने कहा कि क्षेत्रीय हवाई संपर्क बढ़ाने के लिए लाई गई 'उड़ान' (उड़े देश का आम नागरिक) योजना के तहत 1.4 करोड़ लोग हवाई यात्रा कर चुके हैं। इसने निम्न मध्यम वर्ग

के लोगों का भी उड़ान भरने का सपना पूरा किया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि देश का बढ़ता मध्यम वर्ग और उनसे पैदा हो रही मांग नागर विमानन क्षेत्र के लिए प्रेरक शक्ति है और उड़ान योजना ने हवाई यात्रा को समावेशी बना दिया है। उन्होंने कहा कि सरकार देश को उन्नत हवाई परिवहन के लिए तैयार कर रही है और जल्द ही हवाई टैक्सी एक हकीकत बन जाएगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में एक अंतरराष्ट्रीय बौद्ध सर्किट बनाने का सुझाव दिया।

बुधवार को शुरू हुए इस सम्मेलन में एशिया-प्रशांत क्षेत्र के परिवहन और विमानन मंत्री, नियामकीय निकाय और उद्योग विशेषज्ञ एकत्र हुए हैं। सम्मेलन में 29 देशों के लगभग 300 प्रतिनिधि शामिल हुए।

भारत तेजी से वैश्विक अनुसंधान महाशक्ति बन रहा है: सूद

नई दिल्ली/भाषा। भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार (पीएसए) अजय सूद ने बृहस्पतिवार को कहा कि देश तेजी से वैश्विक अनुसंधान महाशक्ति बन रहा है और जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में वैश्विक अगुआ बनने की ओर अग्रसर है। उन्होंने अनुसंधान और नवाचार के क्षेत्र में देश की उपलब्धियों का भी उल्लेख किया।

सूद ने 'ग्लोबल बायो-इंडिया 2024' शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए तकनीकी उत्कृष्टता, विशेष रूप से जैविक विनिर्माण और जैव ईंधन के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में भारत के उदय पर जोर दिया। उन्होंने कहा, ''भारत तेजी से वैश्विक अनुसंधान महाशक्ति बन रहा है।'' उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई सामरिक नीति संस्थान की हाल की रिपोर्ट का हवाला दिया, जिसमें भारत को 64 प्रौद्योगिकियों में से 45 में शीर्ष पांच देशों में स्थान दिया गया है। सूद ने कहा कि भारत जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में वैश्विक शक्ति बनने की ओर अग्रसर है। यह प्रगति विशेष रूप से जैविक विनिर्माण के क्षेत्र में भी दिखाई दे रही है, जहां भारत अब वैश्विक स्तर पर दूसरे स्थान पर है। उन्होंने कहा, ''यह वास्तव में उत्साहपूर्ण और बहुत ही सकारात्मक पहलू है।'' उन्होंने इस बदलाव का श्रेय रणनीतिक नीतियों और सुविचारित जोखिमों पर आधारित विकासशील वैज्ञानिक पारिस्थितिकी तंत्र को दिया।

सूद ने देश की नई जैव प्रौद्योगिकी नीति, बायो-ई3 के महत्व को आर्थिक विकास, पर्यावरणीय स्थिरता और रोजगार सृजन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में रेखांकित किया।

मस्जिद विवाद

मुस्लिम समिति ने नगर निगम से अवैध हिस्सा सील करने का आग्रह किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिमला/भाषा। शिमला में संजौली मस्जिद को लेकर बढ़ते तनाव के बीच स्थानीय मुस्लिम कल्याण समिति ने बृहस्पतिवार को नगर निगम आयुक्त से अनधिकृत हिस्से को सील करने का आग्रह किया और अदालत के आदेश के अनुसार इसे ध्वस्त करने की भी पेशकश की।

समिति में मस्जिद के इमाम और वक्फ बोर्ड तथा मस्जिद प्रबंधन समिति के सदस्य शामिल हैं। समिति के एक प्रतिनिधिमंडल ने नगर आयुक्त भूपेंद्र अत्री को सौंपे एक ज्ञापन में यह अनुरोध किया और कहा कि इलाके में रहने वाले मुसलमान हिमाचल प्रदेश के स्थायी निवासी हैं और समिति सद्भाव व भाईचारे को बनाए रखने के लिए यह कदम उठा रही है।

कल्याण समिति के सदस्य मुफ्ती मोहम्मद शफी कासमी ने कहा, ''हमने संजौली में स्थित मस्जिद के अनधिकृत हिस्से को गिराने के लिए शिमला नगर आयुक्त से अनुमति मांगी है।'' संजौली मस्जिद के इमाम ने कहा, ''हम पर कोई दबाव नहीं है, हम दशकों से यहां रह रहे हैं और यह फैसला एक हिमाचली के तौर पर लिया गया है। हम शांति से रहना चाहते हैं और भाईचारा कायम रहना चाहिए।''

ज्ञापन प्राप्त होने की पुष्टि करते हुए, अत्री ने कहा, ''मुस्लिम कल्याण समिति के प्रतिनिधिमंडल ने मामले का फैसला होने तक मस्जिद के अनधिकृत हिस्से को सील करने का आग्रह किया।'' निगम आयुक्त ने कहा, ''उन्होंने (प्रतिनिधिमंडल ने) कहा कि अगर मामले का फैसला उनके खिलाफ आता है तो वे खुद ही ढांचे को ध्वस्त कर देंगे।'' मस्जिद में अनधिकृत निर्माण के खिलाफ विरोध प्रदर्शन का आह्वान करने वाली देव भूमि संघर्ष समिति के सदस्यों ने इस कदम का स्वागत किया। समिति के सदस्य विजय शर्मा ने कहा, हम मुस्लिम समुदाय के कदम का स्वागत करते हैं और व्यापक हित में यह पहल करने के लिए हम सबसे पहले उनका अभिवादन करेंगे।

भारत, चीन ने नागर विमानन सहयोग, सीधी उड़ानें बहाल करने पर चर्चा कीः नायडू

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय नागर विमानन मंत्री के राममोहन नायडू ने बृहस्पतिवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा कि भारत और चीन ने नागर विमानन क्षेत्र में सहयोग को मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की है। हालांकि, कुछ घंटों बाद ही उन्होंने बिना कोई स्पष्टीकरण दिए इस पोस्ट को हटा दिया। उन्होंने इसपर कोई संशोधित पोस्ट भी नहीं डाला। नायडू, नागर विमानन सचिव वुमलुनमंग वुअलनम और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने राष्ट्रीय राजधानी में नागर विमानन पर एशिया प्रशांत मंत्रिस्तरीय सम्मेलन के अवसर पर चीन के प्रतिनिधियों से मुलाकात की।

नायडू ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा कि उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ सोंग झियोंग के नेतृत्व में एक चीनी प्रतिनिधिमंडल के साथ शिष्टाचार बैठक की। मंत्री ने कहा कि बैठक में दोनों देशों के बीच नागर विमानन सहयोग को और मजबूत करने, विशेष रूप से दोनों देशों के बीच अनुसूचित यात्री उड़ानों को शीघ्र बहाल करने के संबंध में विचारों के आदान-प्रदान पर ध्यान केंद्रित किया गया। हालांकि, यह पोस्ट कुछ ही घंटों के बाद हटा दी गई। इससे पहले नायडू ने संवाददाताओं से कहा कि चीनी पक्ष ने सीधी उड़ानें बहाल करने का उल्लेख किया है, लेकिन अभी तक कोई निर्णय नहीं लिया गया है। विदेश मंत्रालय और अन्य हितधारकों के साथ चर्चा के बाद कोई निर्णय लिया जाएगा। वर्तमान में भारत और चीन के बीच कोई सीधी उड़ान नहीं है। कोविड महामारी के समय ये सेवाएं बंद कर दी गई थीं। इंडिगो और एयर इंडिया की चीन के लिए उड़ान सेवाएं थीं।

इलेक्ट्रिक दोपहिया खरीदार को पहले साल मिलेगी 10,000 रुपए तक की सब्सिडी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पीएम ई-ड्राइव योजना

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री एच डी कुमारस्वामी ने कहा कि इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन खरीदने वाले पीएम ई-ड्राइव योजना के पहले वर्ष में अधिकतम 10,000 रुपए तक की सब्सिडी ले सकते हैं। योजना की शुरुआत जल्द होगी। कुमारस्वामी ने संवाददाताओं से कहा कि इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों के लिए पीएम ई-ड्राइव योजना के तहत बैटरी 'पावर' के आधार पर 5,000 रुपए प्रति किलोवाट घंटा की सब्सिडी तय की गई है। हालांकि, पहले वर्ष में कुल प्रोत्साहन 10,000 रुपए से अधिक नहीं होगा।

दूसरे वर्ष में यह सब्सिडी आधी 2,500 रुपए प्रति किलोवाट घंटा हो जाएगी और कुल लाभ 5,000 रुपए से अधिक नहीं होगा। कुमारस्वामी ने कहा कि ई-रिक्शा खरीदार पीएम ई-ड्राइव योजना के तहत पहले साल में 25,000 रुपए और दूसरे साल में 12,500 रुपए की सब्सिडी का लाभ

उठा सकते हैं। मंत्री ने कहा, ''इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों के लिए प्रति किलोवाट सब्सिडी पहले साल 5,000 रुपए और दूसरे साल 2,500 रुपए है। यह लाभ दो साल तक जारी रहेगा।'' उन्होंने साफ किया कि प्रति दोपहिया वाहन पर अधिकतम लाभ पहले वर्ष में 10,000 रुपए प्रति वाहन होगा और दूसरे वर्ष में घटाकर इसे 5,000 रुपए कर दिया जाएगा।

वर्तमान में, ओला, टीवीएस, एथर एनर्जी, हीरो विडा (हीरो मोटोकॉर्प) और चेतक बजाज जैसे विनिर्माताओं के लोकप्रिय इलेक्ट्रिक स्कूटर की बैटरी क्षमता 2.88 केडब्ल्यूएच (किलोवाट घंटा) से 4 केडब्ल्यूएच तक है। इनकी कीमत 90,000 रुपए से 1.5 लाख रुपए है। कुमारस्वामी ने कहा कि ई-रिक्शा सहित तिपहिया वाहनों के लिए पहले वर्ष में, उन्हें 25,000 रुपए का लाभ मिलेगा और दूसरे वर्ष में, यह घटकर 12,500 रुपए प्रति वाहन हो जाएगा। मंत्री ने कहा कि एल5 श्रेणी (माल ढुलाई में उपयोग होने वाले तिपहिया वाहन) के लिए उन्हें पहले वर्ष में 50,000 रुपए का लाभ मिलेगा और दूसरे वर्ष में यह 25,000 रुपए है।

योजना के तहत, पीएम ई-ड्राइव पोर्टल के जरिये एक आधार प्रमाणित ई-वाउचर जारी किया जाएगा। इसपर खरीदार और डीलर विधिवत हस्ताक्षर करेंगे और उसे पोर्टल पर अपलोड किया जाएगा। खरीदार को योजना के तहत प्रोत्साहन का लाभ लेने के लिए पोर्टल पर 'सेल्फी' अपलोड करनी होगी। योजना में सरकारी सब्सिडी के दुरुपयोग से बचने के बारे में भारी उद्योग मंत्रालय के सचिव कामरान रिजवी ने कहा, ''हमने फेम-दो से कई चीजें सीखीं। इसीलिए, हर छह महीने में उत्पादन की पुष्टि के लिए परीक्षण होगा। इससे यह पता चलेगा कि चीजें दुरुस्त हैं या नहीं।''

टिकट नहीं मिलने पर रो पड़े पूर्व कांग्रेस विधायक, कहा-पीठ में छुरा घोंपा गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। हरियाणा के पूर्व कांग्रेस विधायक ललित नागर पांच अक्टूबर को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए टिकट नहीं मिलने पर बृहस्पतिवार को रो पड़े और कहा कि उन्होंने अपनी पार्टी को मजबूत करने के लिए कड़ी मेहनत की, लेकिन उनकी ''पीठ में छुरा घोंपा गया।''

फरीदाबाद के तिगांव में अपने समर्थकों को संबोधित करते हुए नागर ने कहा, मैंने आप सभी को यह सोचकर आज आमंत्रित किया था कि मैं हवन करूंगा और फिर कांग्रेस उम्मीदवार के रूप में अपना नामांकन दाखिल करूंगा। लेकिन हमारे कुछ दुश्मनों ने साजिश रची और मेरी राजनीतिक हत्या करने का प्रयास किया। नागर तिगांव विधानसभा क्षेत्र से टिकट के दावेदार थे, लेकिन कांग्रेस ने इस सीट से नए चेहरे रोहित नागर को मैदान में उतारा है। कांग्रेस से टिकट नहीं मिलने पर शारदा राठौर और जितेन्द्र कुमार भारद्वाज ने भी नाराजगी व्यक्त की है। राज्य में भारतीय जनता पार्टी की तरह कांग्रेस भी टिकट नहीं दिए जाने पर कुछ नेताओं की नाराजगी का सामना कर रही है। ललित नागर ने अपने समर्थकों से कहा कि उन्हें टिकट मिलने की उम्मीद थी लेकिन कुछ षड्यंत्रकारियों ने मेरी पीठ में छुरा घोंपा।

कांग्रेस द्वारा तिगांव से रोहित नागर को चुनाव लड़ाने पर पूर्व विधायक ने कहा, अगर मेरी पार्टी ने कोई मजबूत उम्मीदवार उतारा होता तो मैं समझ सकता था, लेकिन ऐसे उम्मीदवार को टिकट दिया गया है जिन्हें लोग जानते तक नहीं हैं। उन्होंने अपने समर्थकों से सुझाव मांगे, जिन्होंने उन्हें स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में मैदान में उतरने की सलाह दी। ललित नागर ने कहा, अब आपको मेरा चुनाव लड़ना होगा। पूर्व विधायक और बल्लभगढ़ से टिकट की दावेदार राठौर भी कांग्रेस द्वारा टिकट देने से इनकार किए जाने पर अपने समर्थकों के सामने रो पड़ीं।

संप्रग-1 सरकार को आकार देने में येचुरी की महत्त्वपूर्ण भूमिका थी : सिद्दरामय्या

मुख्यमंत्री ने येचुरी को एक अच्छा इंसान और बहुभाषी विद्वान बताया

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने गुरुवार को माकपा महासचिव सीताराम येचुरी के निधन पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि येचुरी ने संप्रग-1 सरकार को आकार देने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई थी और साझा न्यूनतम कार्यक्रमों का मसौदा तैयार करने का नेतृत्व किया था, जिसने कई मुद्दों पर देश के नीतिगत दृष्टिकोण को बदल दिया था। मुख्यमंत्री ने येचुरी को एक अच्छा इंसान और बहुभाषी विद्वान बताया, जिन्होंने अपनी बुद्धिमत्ता, और अडिग विश्वास से सार्वजनिक जीवन को समृद्ध किया। येचुरी का लंबी बीमारी के बाद गुरुवार को नई दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में निधन हो गया। सिद्दरामय्या ने कहा कि इंडि गठबंधन के गठन में येचुरी की भूमिका और राज्यसभा में उनके प्रभावशाली हस्तक्षेप ने उन्हें राजनीति में सम्मान दिलाया। उन्होंने कहा कि येचुरी ने सांप्रदायिक राजनीति के खिलाफ धर्मनिरपेक्ष ताकतों को एकजुट करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। वे पिछले साल मेरे शपथ ग्रहण समारोह में आए थे व मुझे शुभकामनाएं दी थीं।

आईआईएससी के वैज्ञानिकों ने मस्तिष्क से प्रेरित एनालॉग कंप्यूटिंग मंच विकसित किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी) के अनुसंधानकर्ताओं ने मस्तिष्क से प्रेरित 'एनालॉग कंप्यूटिंग' मंच विकसित किया है और उनका मानना है कि यह एक परिवर्तनकारी कदम है तथा औद्योगिक, उपभोक्ता और रणनीतिक अनुप्रयोगों में क्रांतिकारी बदलाव ला सकता है। आईआईएससी ने बताया कि प्रतिष्ठित पत्रिका 'नेचर' में 11 सितंबर को प्रकाशित यह अनुसंधानपत्र पारंपरिक डिजिटल कंप्यूटर की तुलना में एक बड़ा कदम है, जिसमें डेटा भंडारण और प्रसंस्करण केवल दो अवस्थाओं तक सीमित हैं।

अनुसंधानकर्ताओं के मुताबिक ऐसा मंच संभावित रूप से जटिल कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) कार्यों को, जैसे 'लार्ज लैंग्वेज मॉडल' (एलएलएम) को लैपटॉप और स्मार्टफोन जैसे व्यक्तिगत उपकरणों में इस्तेमाल करने की क्षमता प्रदान कर सकता है। संस्थान ने एक विज्ञप्ति में कहा कि ऊर्जा की कम खपत वाले हार्डवेयर की कमी के कारण ऐसे विकास वर्तमान में भारी डेटा केंद्रों तक ही सीमित हैं। आईआईएससी के नैनो विज्ञान एवं इंजीनियरिंग केंद्र (सीईएनएसई) के सहायक प्रोफेसर एवं अनुसंधान टीम के प्रमुख श्रीतोष गोस्वामी ने बताया, न्यूरोमॉर्फिक कंप्यूटिंग के सामने एक दशक से अधिक समय से कई अनसुलझी चुनौतियां हैं। उन्होंने कहा, इस खोज के साथ, हमने लगभग पूर्ण प्रणाली प्राप्त कर ली है। यह एक दुर्लभ उपलब्धि है। प्रणाली के केंद्र में स्थित मॉलिक्यूलर व्यवस्था को सीईएनएसई के अतिथि प्रोफेसर श्रीब्रत गोस्वामी ने डिज़ाइन किया था। आईआईएससी के अनुसार, अधिकांश 'एआई एल्गोरिदम' में अंतर्निहित मूल ऑपरेशन काफी बुनियादी हैं – मैट्रिक्स गुणन एक अवधारणा है जो उच्च माध्यमिक कक्षा में गणित विषय के तहत पढ़ाई जाती है।

व्हाट्सएप बिज़नेस खंड में अब एआई 'टूल', सत्यापित बैज की सुविधाएं मिलेंगी

मुंबई/भाषा। सोशल मीडिया कंपनी मेटा ने अपने मैसेजिंग मंच व्हाट्सएप के बिज़नेस खंड में कई नई खूबियां एवं सुविधाओं को पेश करते हुए कहा है कि अधिक संख्या में कारोबार अपने ग्राहकों से जुड़ने के लिए इस मैसेजिंग सेवा का सहारा ले रहे हैं। व्हाट्सएप बिज़नेस खंड में अब छोटे कारोबार के लिए सत्यापित बैज उपलब्ध होगा जो उपभोक्ताओं के साथ भरोसा और साख स्थापित करने का काम करेगा। फेसबुक, व्हाट्सएप एवं इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया मंचों का परिचालन करने वाली कंपनी मेटा ने यहां आयोजित 'व्हाट्सएप बिजनेस समिट' में त्वरित संदेश सेवा से जुड़े अनुभव को बेहतर करने के लिए कृत्रिम मेधा (एआई) 'टूल' पर भी प्रकाश डाला। मेटा ने कहा कि व्हाट्सएप बिज़नेस ऐप से सीधे एआई टूल को सक्रिय किया जा सकेगा। इस तरह कारोबार अपने ग्राहकों के साथ अधिक कुशलता से जुड़ सकेंगे। मेटा ने इस टूल का हाल ही में भारत में परीक्षण शुरू किया है, और इसके शुरुआती नतीजे रोमांचक हैं।

इसके साथ ही मेटा ने व्हाट्सएप बिज़नेस ऐप पर ग्राहक के हिसाब से तैयार संदेश भेजने की सुविधा देने का ऐलान किया। इसने भारत में छोटे व्यवसायों की वृद्धि को अपना समर्थन देने की प्रतिबद्धता भी जताई। कंपनी के बयान के मुताबिक, सत्यापित बैज वाले व्हाट्सएप बिजनेस अकाउंट रखने वाले छोटे कारोबार के लिए अपने ग्राहकों के बीच अपनी विश्वसनीयता स्थापित करने में मदद मिलेगी। मेटा ने कहा कि नई सुविधाओं और अपडेट की शृंखला देश भर के व्यवसायों को अपनी उपस्थिति बढ़ाने और ग्राहकों के लिए बेहतरीन इन-चैट अनुभव बनाने में मदद करेगी। इससे कारोबारी क्षेत्रों को आगामी त्योहारी मौसम से पहले अपना प्रदर्शन बेहतर करने का मौका भी मिलेगा।

अगले दशक में दुनिया की आर्थिक वृद्धि में 20 प्रतिशत का योगदान देगा भारतः अमिताभ कांत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। जी-20 शेरपा अमिताभ कांत ने कहा है कि अगले दशक में दुनिया की कुल वृद्धि में 20 प्रतिशत योगदान भारत का होगा। इसका प्रमुख कारण यह है कि देश वैश्विक स्तर पर तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है।

कांत ने यहां आइमा के सम्मेलन में कहा कि भारत दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था बना हुआ है और पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। उन्होंने कहा, ''अगले तीन साल में, हम जापान और जर्मनी को पीछे छोड़ते हुए दुनिया की तीसरी सबसे

बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएंगे। एक ऐसी दुनिया में जो वृद्धि के लिए आकांक्षी है...दूसरी तरफ भारत वृद्धि को गति देने वाली एक बहुत ही मजबूत शक्ति के रूप में उभरा है।'' अगले दशक में दुनिया की कुल वृद्धि में 20% का योगदान भारत का होगा। उन्होंने कहा, ''आज हम जो देख रहे हैं वह हमारी आर्थिक स्थिति में पीढ़ियों में एक बार होने वाला बदलाव है। कुछ साल पहले, हम 5 कमजोर देशों में शामिल थे और एक दशक में हम शीर्ष पांच में आ गए।''

छत्तीसगढ़ : माओवादियों ने दो ग्रामीणों को फांसी पर लटकाया

बीजापुर/भाषा। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित बीजापुर जिले में नक्सलियों ने कथित तौर पर दो ग्रामीणों की फंदे से लटकाकर हत्या कर दी। पुलिस अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

बस्तर क्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक सुंदरराज पी. ने बताया कि पुलिस को घटना की सूचना मिली है तथा इस संबंध में विस्तृत जानकारी ली जा रही है।

सुंदरराज ने बताया कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार नक्सलियों ने मंगलवार को मिरतुर पुलिस थाना क्षेत्र के जप्पेमरका गांव से एक स्कूली छात्र सहित तीन ग्रामीणों का अपहरण कर लिया था। उन्होंने बताया कि बाद में नक्सलियों ने जनअदालत लगाकर उनमें से दो को पेड़ पर फांसी से लटका दिया। उन्होंने स्कूली छात्र को छोड़ दिया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
बेंगलूरु क्लासीफाइड
उपलब्ध
FLATS FOR SALE
DNR HIGHLINE
@ OKALIPURAM
near LULU Mall
Rajajinagar
Centre of the City
3 & 4 Bedroom
FLATS with 7 Star
Luxurious Amenities
Only Few Flats
available for Sale
Contact : 9844027560

सर्वोच्च पदों पर बैठे लोगों को निजी समारोहों का प्रचार नहीं करना चाहिए : सिब्बल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ के आवास पर गणपति पूजा में भाग लेने पर उठे विवाद के बीच राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्बल ने बृहस्पतिवार को कहा कि सर्वोच्च पदों पर बैठे लोगों को किसी निजी आयोजन का प्रचार नहीं करना चाहिए।

सिब्बल ने कहा कि किसी को भी खुद को ऐसी परिस्थिति में नहीं डालना चाहिए, जहां लोग किसी संस्था के बारे में प्रलाप करना शुरू कर दें। वरिष्ठ अधिवक्ता एवं 'सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन' के अध्यक्ष सिब्बल ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री को कभी ऐसे निजी आयोजन में शामिल होने में अपनी रुचि नहीं दिखानी चाहिए थी और उन्होंने जिनसे सलाह ली होगी उन्हें उनको बताना चाहिए था कि इससे गलत संदेश जा सकता है।

मोदी ने बुधवार को प्रधान न्यायाधीश चंद्रचूड़ के दिल्ली स्थित आवास पर गणपति पूजा में भाग लिया था। मोदी ने पूजा में शामिल होने की तस्वीर साझा करते हुए 'एक्स' पर लिखा था, ''सीजेआई न्यायमूर्ति डीवाई चंद्रचूड़ जी के आवास पर गणेश पूजा में शामिल हुआ। भगवान श्री गणेश हम सभी को सुख, समृद्धि और अद्भुत स्वास्थ्य प्रदान करें।''

इस पर प्रतिक्रिया देते हुए सिब्बल ने कहा, ''मैंने सोशल मीडिया पर कुछ देखा और सच कहूं तो मैं हैरान रह गया। मैं 50 साल से ज्यादा समय से उच्चतम न्यायालय में और इस संस्था में हूं। मैंने भूतपूर्व और वर्तमान दोनों ही महान न्यायाधीशों को देखा है और

हम इस संस्था के प्रति भावुक हैं।'' उन्होंने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''मैं वर्तमान प्रधान न्यायाधीश का बहुत सम्मान करता हू। मैं बिना किसी झिझक के कह सकता हूं कि वह बहुत ही व्यक्तिगत ईमानदारी वाले व्यक्ति हैं। जब मैंने यह वायरल क्लिप देखी तो मैं वाकई हैरान रह गया।''

सिब्बल ने कहा कि सैद्धांतिक रूप से उनके कुछ मुद्दे हैं और किसी भी सार्वजनिक पदाधिकारी को विशेषकर राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और भारत के प्रधान न्यायाधीश जैसे सर्वोच्च पद पर बैठे लोगों को निजी कार्यक्रम का प्रचार नहीं करना चाहिए। पूर्व कांग्रेस नेता ने कहा, ''मुझे यकीन है कि शायद सीजेआई को यह पता नहीं रहा होगा कि इसे प्रचारित किया जा रहा है, यह दुखद है। दूसरी बात यह है कि भारत के प्रधानमंत्री को ऐसे निजी कार्यक्रम में जाने में कभी रुचि नहीं दिखानी चाहिए थी, क्योंकि प्रधानमंत्री और जिन लोगों से उन्होंने परामर्श किया होगा, उन्हें उनको बताना चाहिए था कि इससे गलत संकेत जा सकता है।'' उन्होंने कहा कि मुद्दा यह है कि ऐसी क्लिप ने लोगों के दिमाग पर क्या छाप छोड़ी होगी। सिब्बल ने कहा कि अगर इसे लेकर कोई गपशप होती है तो यह संस्था के लिए सही नहीं है। उन्होंने कहा, ''मेरा धर्म और मेरी आस्थाओं के संदर्भ में मेरी अभिव्यक्ति का तरीका एक निजी मामला है और यह सार्वजनिक नहीं है। इसलिए कोई वीडियोग्राफी नहीं होनी चाहिए या तस्वीर नहीं खिंचनी चाहिए।''

शोभायात्रा के दौरान दो समूहों के बीच हिंसा भड़की

52 लोग गिरफ्तार गणेश विसर्जन शोभायात्रा के दौरान झड़प

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागमंगला। मंड्या जिले के नागमंगला कस्बे में गणेश मूर्ति विसर्जन शोभायात्रा के दौरान दो समूहों के बीच झड़प हो गई, जिसके बाद भीड़ के कई दुकानों और वाहनों को निशाने से स्थिति तनावपूर्ण हो गई। पुलिस ने बताया कि बुधवार रात की इस घटना के बाद 52 लोगों को गिरफ्तार किया गया है और ऐहतियात के तौर पर 14 सितंबर तक कस्बे में चार से अधिक लोगों के एकत्र होने पर रोक लगा दी गई है। पथराव में दो पुलिसकर्मियों समेत कुछ लोगों को मामूली चोटें आईं। उन्होंने बताया कि स्थिति पर काबू पा लिया गया है और अतिरिक्त सुरक्षा बलों को तैनात किया गया है।

पुलिस ने बताया कि बुधवार को जब बदरिकोप्पलु गांव से श्रद्धालु शोभायात्रा निकाल रहे थे तब दो समूहों के बीच बहस हो गई और कुछ उपद्रवियों ने पथराव किया जिससे स्थिति बिगड़ गई।

उन्होंने बताया कि दोनों समूहों के बीच झड़प के बाद कुछ दुकानों में तोड़फोड़ की गई और वाहनों में आग लगा दी गई। पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने और स्थिति को संभालने के लिए हल्का बल प्रयोग किया। शोभायात्रा निकालने वाले युवाओं के समूह ने थाने के निकट विरोध प्रदर्शन किया और हिंसा के लिए जिम्मेदार लोगों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की।

गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने कहा कि झड़पों को सांप्रदायिक हिंसा नहीं कहा जा सकता क्योंकि यह घटना क्षणिक आक्रोश के कारण हुई। उन्होंने बेंगलूरु में पत्रकारों से कहा कि दोनों पक्षों के 52 लोगों को गिरफ्तार किया गया है और पथराव तथा वाहनों व संपत्तियों को आग लगाने जैसी घटनाओं में संलिप्तता के बारे में सीसीटीवी फुटेज की पड़ताल के आधार पर उनके खिलाफ मामला दर्ज किया जाएगा।

जब उनसे कहा गया कि घटना के दौरान कथित तौर पर पेट्रोल बम फेंका गया और यह पूछा गया कि क्या घटना पूर्व नियोजित थी, तो उन्होंने कहा, नहीं, नहीं, यह (घटना) क्षणिक आवेग में हुई है। पुलिस ने इसे और बढ़ने नहीं दिया और स्थिति को नियंत्रण में कर लिया है। पुलिस के अनुसार, प्राथमिकी में 53 लोगों के नाम दर्ज हैं।

मंड्या के पुलिस अधीक्षक मल्लिकार्जुन बलदंडी ने बृहस्पतिवार को 'पीटीआई-भाषा' को बताया, नागमंगला शहर में स्थिति अब सामान्य हो गई है। लोग अपने दैनिक कार्य कर रहे हैं। दुकानें खुली हैं। हमने कर्नाटक राज्य रिजर्व पुलिस के अतिरिक्त बलों के साथ-साथ सादी वर्दी में अन्य पुलिस अधिकारियों को भी तैनात किया है। पुलिस के मुताबिक गैरकानूनी तरीके से एकत्र होने, हत्या का प्रयास, सरकारी कर्मचारियों के काम में बाधा डालने, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने और भारतीय न्याय संहिता की अन्य धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

मंड्या जिले के प्रभारी मंत्री एन. चेलुवरायस्वामी ने कहा कि स्थिति अब शांतिपूर्ण व नियंत्रण में है। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा,हमारा नागमंगला शांति और सौहार्द का शहर है । हम यहां अशांति पैदा करने के किसी भी प्रयास को बर्दाश्त नहीं करेंगे। मैं लोगों से अनुरोध करता हूं कि वे किसी भी अफवाह पर ध्यान न दें और शांति बहाल करने में सहयोग करें। घटनाओं के बाद, विपक्षी दलों भाजपा और जद(एस) ने कांग्रेस सरकार पर निशाना साधा।

केंद्रीय भारी उद्योग और इस्पात मंत्री तथा जनता दल (एस) के नेता एच.डी. कुमारस्वामी ने कहा कि यह घटना राज्य में कानून-व्यवस्था की 'विफलता' का सबूत है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर कांग्रेस पार्टी 'तुष्टीकरण की राजनीति' बंद नहीं करती है तो उसके लिए 'बुरे दिन दूर नहीं हैं।'

कुमारस्वामी ने कहा, यह शहर में 'कानून-व्यवस्था की विफलता' का सबूत है कि एक समुदाय के उपद्रवियों ने भगवान गणपति की शोभायात्रा में शांतिपूर्वक आगे बढ़ रहे श्रद्धालुओं को निशाना बनाकर जानबूझकर उपद्रव मचाया, लोगों और पुलिसकर्मियों पर पत्थर व चप्पल फेंकीं, पेट्रोल बम फेंके और तलवारें लहराईं।

धार्मिक आधार पर विभाजन की कोशिश कर रहे लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी : सिद्दरामय्या

बेंगलूरु।मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने बृहस्पतिवार को कहा कि मंड्या जिले के नागमंगला में कुछ उपद्रवियों ने गणेश प्रतिमा विसर्जन के दौरान हिंसा की घटना को अंजाम दिया, जो समाज में अमन-चैन बिगाड़ना चाहते हैं। सिद्दरामय्या ने कहा कि राज्य सरकार ने बुधवार रात को दो गुटों के बीच हुए इस संघर्ष को गंभीरता से लिया है। मुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, हमारी पहली प्राथमिकता समाज में शांति व्यवस्था कायम रखने की है।'' सिद्दरामय्या ने कहा कि राज्य पिछले डेढ़ साल में बिना किसी हिंसा और दंगे के सभी समुदायों के लिए 'अमन की बगिया' की तरह रहा है। उन्होंने कहा कि जो लोग धार्मिक आधार पर राज्य में विभाजन की कोशिश कर रहे हैं उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी, चाहे वे किसी जाति या धर्म के हों।

केंद्रीय मंत्री शोभा करंदलाजे ने जांच की मांग की

बेंगलूरु। केंद्रीय मंत्री शोभा करंदलाजे ने मांड्या जिले के नागमंगला शहर में गणेश प्रतिमा जुलूस के दौरान दो समूहों के बीच हुई झड़प की जांच की मांग करते हुए बृहस्पतिवार को कांग्रेस सरकार पर तुष्टीकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया। करंदलाजे ने आरोप लगाया कि कांग्रेस और कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या हिंदुओं के खिलाफ साजिश रचने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा, कल नागमंगला की घटना में हिंदुओं का अपमान किया गया, हमारे गणपति का अपमान किया गया। पत्थर फेंके गए, चप्पलें फेंकी गईं। दुकानों में आग लगा दी गई, फिर भी राज्य सरकार कह रही है कि यह एक छोटी घटना है। केंद्रीय मंत्री ने हिंसा की तत्काल जांच की मांग करते हुए कहा कि जांच में राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) को भी शामिल किया जाना चाहिए।

विपक्ष ने सरकार को घेरा

बेंगलूरु। कर्नाटक विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आर. अशोक ने बृहस्पतिवार को सिद्दरामय्या के नेतृत्व वाली सरकार को राज्य में कानून-व्यवस्था 'चरमराने' के लिए जिम्मेदार ठहराया और आरोप लगाया कि मंड्या जिले में भगवान गणेश की शोभायात्रा पर हमला 'तुष्टीकरण की राजनीति' का प्रत्यक्ष परिणाम है। अशोक ने नागमंगला शहर में भगवान गणेश की शोभायात्रा के दौरान दो समूहों के बीच हिंसक झड़प के एक दिन बाद यह बात कही है। अशोक ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर आरोप लगाया कि शोभायात्रा पर पत्थर फेंके गए, तलवारें लहराई गईं और देसी बम फेंके गए। हम कर्नाटक में रह रहे हैं या तालिबान में? ''कर्नाटक की कांग्रेस सरकार की तुष्टीकरण की राजनीति से उत्साहित होकर, मुसलमानों की हिंसक भीड़ ने कल रात नागमंगला में भगवान गणेश की शोभायात्रा पर बर्बरतापूर्वक हमला किया।''

सरकार ने सांप्रदायिक दंगों को बढ़ावा दिया : विजयेंद्र

पेट्रोल बम फेंककर और तलवार के साथ आकर हमले की निंदा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यह भ्रष्ट सरकार सांप्रदायिक दंगों को बढ़ावा देकर दंगाइयों की पीठ थपथपाने का काम कर रही है। इसके परिणामस्वरूप, राज्य में अधिक से अधिक दंगे हो रहे हैं, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने कही। उन्होंने गुरुवार को नागमंगला में उस स्थान का दौरा किया जहां श्री गणेशोत्सव के दौरान दंगा हुआ था और दुकानें जलाए जाने के बारे में जानकारी ली। बाद में उन्होंने मीडिया प्रतिनिधियों से बात करते हुए उन्होंने मांग की कि राज्य सरकार जली हुई दुकानों के लिए तत्काल मुआवजा दे। उन्होंने कहा, लोग राज्य की कांग्रेस सरकार के भ्रष्टाचार में डूबे होने की बात कर रहे हैं। नागमंगला में गणेश प्रतिमा के शांतिपूर्ण जुलूस के दौरान गद्दारों द्वारा पूर्व नियोजित कृत्य किया गया। हिंदू कार्यकर्ताओं पर हमला किया गया। पेट्रोल बम फेंका गया। तलवार के साथ सड़कों पर उतरकर हिंदू कार्यकर्ताओं पर हमले की कोशिश की गई। एक वाहन शोरूम और एक कपड़े की दुकान जला दी गई। उन्होंने आपत्ति जताई कि यह सब सोची-समझी शरारत है।

पुलिस मूकदर्शक बनी रही

इसके बावजूद पुलिस मूकदर्शक बनकर सब कुछ देखती रही, उन्होंने इसकी आलोचना करते हुए कहा कि इसका कारण सत्ता पक्ष का दबाव है। इससे पहले उन्होंने झील की दीवार पर हनुमध्वज को उतारने का काम किया था। विजयेंद्र ने कहा कि सिद्दरामय्या के नेतृत्व वाली हिंदू विरोधी कांग्रेस सरकार के आचरण के परिणामस्वरूप, असमाजिक तत्व हंस रहे हैं।

उन्होंने कहा कि 'मंड्या जिला किसानों के संघर्ष के लिए पूरे देश में जाना जाता है। उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि इस जिले का नाम सांप्रदायिक दंगों के लिए चर्चा में आ रहा है। कांग्रेस पार्टी की साजिश के कारण ऐसी घटनाएं बढ़ती जा रही हैं।' सारा नुकसान मुख्यमंत्रियों और गृहमंत्रियों को उठाना चाहिए। उन्होंने मुआवजे की मांग की।

पेट्रोल बम फेंककर अपराध : आर.अशोक

विपक्ष के नेता आर अशोक ने कहा कि पुलिस के सामने पेट्रोल बम फेंके गए। उन्होंने विरोध किया कि कट्टर मुसलमानों ने कानून अपने हाथ में ले लिया है और इसका मज़ाक उड़ाया है। उन्होंने बताया कि गत वर्ष भी यहां मस्जिद से पत्थर फेंके गए थे। यह सब जानते हुए भी, सरकार ने सुरक्षा प्रदान करने की कोई कदम नहीं उठाए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार आने के बाद उपद्रवियों ने कहा कि यह हमारी सरकार है। पहले हनुमान को विलेन बनाया गया था। अब वे गणेश जी के दर्शन भी करेंगे तो नहीं कर सकेंगे।

पेट्रोल बम फेंकने के पीछे कोई संगठन है? : सीटी रवि

विधान परिषद सदस्य सीटी रवि ने कहा कि यह सब पूर्व नियोजित है, लेकिन अगर गृहमंत्री कहते हैं कि यह एक संगठन है। तो क्या पेट्रोल बम विस्फोट एक संगठन है? उन्होंने सवाल किया कि क्या यह करोड़ों रुपये की दुकानें जलाने वाली कौन सी संस्था है। उन्होंने पूछा कि किस आधार पर इसे संगठन कहा जाता है। उन्होंने सरकार से कहा कि क्या जुलूस पर पथराव करने वाला कोई संगठन है? दंगाइयों को गिरफ्तार करें। हिंदुओं को गिरफ्तार किया गया; उन्होंने मांग की कि काजी को मुसलमानों को भी गिरफ्तार करके न्याय करना चाहिए। पथराव करने, जुलूस रोकने, आग लगाने वालों पर ही मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तार किया जाना चाहिए। उन्होंने मांग की कि गणेश उत्सव आयोजकों के खिलाफ मामले वापस लिए जाएं और गिरफ्तार लोगों को रिहा किया जाए।

नागमंगला दौरे में पूर्व उपमुख्यमंत्री डॉ. सीएन अश्वत्थनारायण, प्रदेश महासचिव सुनील कुमार, युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष धीरज मुनिराजू, पूर्व मंत्री नारायण गौड़ा, पूर्व सांसद मुनिस्वामी, प्रताप सिंह, प्रदेश सचिव शरण तुम्हीकेरे, जिला अध्यक्ष, पदाधिकारी और नेता उपस्थित थे।

सिद्दरामय्या को फिर मिली राहत, न्यायालय ने आदेश रखा सुरक्षित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या की उस याचिका पर बृहस्पतिवार को सुनवाई पूरी कर ली, जिसमें मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) मामले में उनके खिलाफ अभियोग चलाने के लिए राज्यपाल थावरचंद गहलोत द्वारा दी गई मंजूरी की वैधता को चुनौती दी गई थी। अदालत ने मामले में फैसला सुरक्षित रख लिया।

अदालत ने 19 अगस्त के अपने उस अंतरिम आदेश की अवधि भी आगे बढ़ा दी, जिसमें विशेष जनप्रतिनिधि अदालत को निर्देश दिया गया था कि वह सिद्दरामय्या के खिलाफ शिकायतों की सुनवाई को इस याचिका के निपटारे तक टाल दे। न्यायमूर्ति एम. नागप्रसन्ना ने सुनवाई पूरी करने के बाद कहा, ''आदेश सुरक्षित रखा जाता है। अंतरिम आदेश याचिका के निपटारे तक जारी रहेगा।'' राज्यपाल ने प्रदीप कुमार एस.पी., टी.जे. अब्राहम और स्नेहमयी कृष्णा की याचिकाओं में उल्लिखित कथित अपराधों के लिए 16 अगस्त को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 17ए और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 218 के तहत मुकदमा चलाने की मंजूरी दी थी। सिद्दरामय्या ने 19 अगस्त को राज्यपाल के आदेश की वैधता को चुनौती देते हुए उच्च न्यायालय का रुख किया था।

उपमुख्यमंत्री शिवकुमार ने न्यू जर्सी में आदि चुंचनगिरि मठ का दौरा किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/न्यू जर्सी। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने न्यू जर्सी में आदिचुन्चनगिरी मठ का दौरा किया, जो फ्रैंकलिन टाउनशिप में 20 एकड़ के विशाल परिसर में बन रहा है। उपमुख्यमंत्री ने एक वीडियो संदेश के माध्यम से सभी कन्नड़ लोगों और आदि चुन्चनगिरी मठ के भक्तों से न्यू जर्सी में भैरवनाथ पीठ के निर्माण में योगदान देने की अपील की। न्यू जर्सी में बालगंगाधरनाथ स्वामीजी द्वारा स्थापित गुरुपीठ हम सभी के लिए गुरुपीठ है।

मठ एक पवित्र स्थान है जो हमारे मन को शांत और स्थिर बनाता है। मैंने महाराष्ट्र में बालगंगाधरनाथ स्वामीजी द्वारा स्थापित बैरावननाथ मंदिर का दौरा किया था। मैं खुश हूँ उन्होंने कहा, अमेरिका सरकार ने न्यू जर्सी में भी इसी तरह का मंदिर बनाने की अनुमति दे दी है।

परियोजना के मुख्य वास्तुकार डॉ. बाबू किलारा, जिन्होंने अमेरिका में चिन्मय मिशन, आर्ट ऑफ लिविंग सेंटर, जीएसएस आश्रम का निर्माण किया है, ने उपमुख्यमंत्री को परियोजना के बारे में जानकारी दी। मठ कर्नाटक की आध्यात्मिक परंपराओं को दुनिया के सामने लाने में एक लंबा रास्ता तय करेगा। इस परियोजना की परिकल्पना बालगंगाधरनाथ स्वामीजी के मार्गदर्शन में की गई थी और इसे निर्मलानंद स्वामीजी के नेतृत्व में साकार किया जा रहा है। मठ का निर्माण 'आगम शास्त्र' के अनुसार किया जा रहा है जो दक्षिण भारतीय मंदिर वास्तुकला के लिए एक नियम पुस्तिका है। उपमुख्यमंत्री के दौरे के दौरान न्यू जर्सी आदि चुन्चनगिरी मठ के श्री श्रीशैलनाथ स्वामीजी और दयाशंकर अडप्पा भी मौजूद थे।

सम्मान

बेंगलूरु में आईआईआईटी के निदेशक प्रोफेसर देबब्रत दास को आईएसबीआर के संस्थापक दिवस समारोह में शैक्षिक नेतृत्व पुरस्कार प्राप्त हुआ। यह सम्मानित सम्मान उनके उल्लेखनीय समर्पण, दूरदर्शी नेतृत्व और शिक्षा के क्षेत्र में स्थायी प्रभाव को समर्पित है।

बीडीए सीमा में प्रॉपर्टी के लिए ई-खाता हुआ अनिवार्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु विकास प्राधिकरण (बीडीए) के अधिकार क्षेत्र में प्रॉपर्टी रजिस्ट्रेशन के लिए ई-खाते की अनिवार्यता शुक्रवार से लागू होगी। यह कदम खरीदारों के हितों की रक्षा के लिए उठाया जा रहा है। इससे गलत तरीके से प्रॉपर्टी के लेनदेन पर अंकुश लगाने में भी मदद मिलेगी।

इस प्रक्रिया में ई-खाते से अधिक पारदर्शिता लाने की कोशिश की जा रही है, जिसके लिए स्टांप एवं पंजीयन विभाग के कावेरी-2 सॉफ्टवेयर पर सभी लेनदेन के संबंध में संपत्ति पहचान संख्या के साथ बीडीए ई-खाता की जरूरत होगी।

लेना होगा ई-खाता

इसके बारे में अधिक जानकारी देते हुए एक अधिकारी ने बताया कि विक्रेता को प्रॉपर्टी का लेनदेन पूरा करने और उसे खरीदार के नाम पर रजिस्टर कराने के लिए ई-खाता लेना होगा। इसके बाद प्रक्रिया आगे बढ़ेगी।

उन्होंने बताया कि इससे खरीदारों के हितों की रक्षा प्रभावी ढंग से हो सकेगी। वहीं, प्रॉपर्टी के लेनदेन में फर्जीवाड़े की घटनाओं पर काफी हद तक लगाम लगेगी। ई-खाते से दस्तावेजों की प्रामाणिकता की पुष्टि हो सकेगी। इस तरह शुरुआती चरण में ही दस्तावेजों की असलियत का पता लगाया जा सकेगा। बताया गया कि ई-खाता बीडीए द्वारा विकसित प्रॉपर्टी और बीडीए द्वारा अपने अधिकार क्षेत्र में मंजूर निजी लेआउट, दोनों के लिए अनिवार्य होगा।

पालन करना होगा

इस प्रणाली को अधिक सुरक्षित बनाने के लिए नए प्रोजेक्ट या लेआउट निर्माण में शामिल डेवलपर्स को योजना की मंजूरी और उसके बाद ई-खाता हासिल करने के लिए बीडीए द्वारा निर्धारित कानूनी जरूरतों का पालन करना अनिवार्य होगा। इससे अनाधिकृत लेआउट के लिए मुश्किलें होंगी। ई-खाते के बिना लेनदेन और रजिस्ट्रेशन नहीं होगा। बता दें कि ग्रामीण विकास और पंचायती राज विभाग के अधिकार क्षेत्र के तहत प्रॉपर्टी रजिस्ट्रेशन और भूमि सिस्टम के तहत कृषि भूमि रजिस्ट्रेशन के लिए ई-खाता अनिवार्य किया जा चुका है। अब इसका बीडीए सीमा तक विस्तार किया गया है। भविष्य में यह जरूरत बीबीएमपी के अंतर्गत आने वाली प्रॉपर्टी पर भी लागू होगी। अभी लगभग 45 वार्डों की संपत्तियों में ई-खाता है। जब सभी वार्डों में यह प्रक्रिया पूरी हो जाएगी तो ई-खाता अनिवार्यता का बीबीएमपी प्रॉपर्टी तक भी विस्तार किया जाएगा। अब देखना यह है कि उक्त प्रणाली खरीदारों के हितों की रक्षा करने में कितनी सक्षम साबित हो पाएगी।

मुख्यमंत्री ने 100 नई बसों का किया उद्घाटन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने कहा कि शहर के लोगों के लाभ के लिए बेंगलूरु मेट्रोपॉलिटन ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन (बीएमटीसी) के लिए 840 नई बसें खरीदी गई हैं और पहले चरण में 100 नई बसों का उद्घाटन गुरुवार को किया गया। विधान सौधा के सामने 100 नई बसों का उद्घाटन करते हुए उन्होंने कहा कि बेंगलूरु शहर की आबादी बढ़ रही है, श्रमिक वर्ग के लाभ के लिए बीएमटीसी में नई बसें जोड़ी गई हैं और हमारी सरकार आने के बाद से हमने चार नई बसें खरीदी हैं।

उन्होंने कहा कि पिछली सरकार द्वारा बंद की गई इंदिरा कैंटीनों को फिर से शुरू किया है और नई कैंटीनें खोली जाएंगी। श्रमिक वर्ग के हित के लिए शक्ति योजना सहित पांच गारंटी योजनाएं लागू की गई हैं और सफलतापूर्वक जारी हैं, जब तक हमारी सरकार रहेगी गारंटी योजनाएं जारी रहेंगी।

उन्होंने 'गारंटी' की गारंटी देते हुए कहा कि भाजपा गारंटी योजनाओं को लेकर गरीब और मध्यम वर्ग विरोधी दुष्प्रचार कर रही है, उसकी बात न सुनें, गारंटी को और प्रभावी ढंग से लागू किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि गृहलक्ष्मी निधि से हजारों परिवारों को लाभ हुआ है। केंद्र सरकार ने गरीबों को चावल न देकर गरीबों को चावल देने की योजना को संकट में डाल दिया था लेकिन राज्य की कांग्रेस सरकार ने चावल के बदले लोगों को पैसा देकर उन्हें आर्थिक रूप से संबल दिया है। उन्होंने कहा कि गारंटी योजनाओं से प्रदेश के प्रत्येक परिवार को प्रति माह 4,000 से 5,000 रुपये की धनराशि मिल रही है, जिससे लाखों परिवारों को आर्थिक मजबूती मिली है।

दुनिया के विकट हालात में भारत का लक्ष्य एक दूसरे का हाथ पकड़कर साथ चलना : राजनाथ सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बृहस्पतिवार को कहा कि दुनिया के मौजूदा विकट हालात में भारत का लक्ष्य एक-दूसरे का हाथ पकड़कर एक साथ चलना है। उन्होंने सहयोगी देशों से अपनी भागीदारी और सहयोग को नयी ऊंचाई पर ले जाने का आह्वान किया। वह यहां के वायुसेना ठिकाने पर भारतीय वायु सेना द्वारा आयोजित बहुराष्ट्रीय हवाई अभ्यास 'तरंग शक्ति' को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, आज के समय में जब दुनिया में एक दूसरे से आगे निकलने की होड़ लगी हुई है ...कई स्थानों पर तो अलग-अलग देशों के बीच लगातार युद्ध चल रहे हैं ...इन विकट परिस्थितियों में भारत का लक्ष्य यही है कि हम एक दूसरे का हाथ पकड़कर एक साथ चलें।

राजनाथ ने कहा, पूरी दुनिया में जिस तरह से बदलाव हो रहे हैं और जिस तरह से पूरी दुनिया के समक्ष नयी-नयी चुनौतियां आ रही हैं, उसे देखते हुए हमें अपनी भागीदारी व सहयोग को नयी ऊंचाई तक ले जाने की जरूरत है। सिंह की टिप्पणी रूस और यूक्रेन के बीच शांति वार्ता को आगे बढ़ाने में भारत की संभावित भूमिका के आह्वान की पृष्ठभूमि में आई है क्योंकि भारत के दोनों देशों के साथ अच्छे संबंध हैं। रक्षामंत्री ने कहा कि भारत कई उन्नत और उच्च प्रौद्योगिकी परियोजनाओं पर मित्र देशों के साथ सहयोग कर रहा है। उन्होंने कहा कि 'तरंग शक्ति' जैसे अभ्यासों का महत्वपूर्ण सामरिक महत्व है।

सिंह ने कहा, आज हमारे बीच कई सारे मित्र विदेशी अतिथि भी उपस्थित हैं। मैं उनसे भी यह कहना चाहूंगा,कि आप लोग जब भारत आए हैं, तो भारत की 'एयरोस्पेस इंडस्ट्री' को अच्छे से देखिए, इसका अध्ययन करिए। इस अभ्यास के दौरान आप सबको यह अवसर भी मिला है कि आप यात्राओं के माध्यम से भारतीय रक्षा विनिर्माण उद्योग का अनुभव भी लें। ये यात्राएं आपको भारत के रक्षा उद्योग के तीव्र विकास व भारत की क्षमताओं से अवगत कराएंगी। उन्होंने कहा, कैसे हम एक साथ आगे बढ़कर रक्षा विनिर्माण की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं... इसकी संभावना को तलाश करने का यह एक अच्छा अवसर है। भारत आपके साथ मिलकर काम करने को इच्छुक है। हम चाहते हैं कि हमारा सहयोग सिर्फ राजनीतिक या कहें कि केवल 'टेक्नीक्ल सिनर्जी' तक ही सीमित न रहे बल्कि ' हर्ट टु हर्ट सिनर्जी' के रूप में बदले।

सिंह ने कहा, अनेक भविष्योन्मुखी व उच्च प्रौद्योगिकी परियोजनाओं पर हम अपने मित्र राष्ट्रों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। 'तरंग शक्ति' जैसे अभ्यास का अपना एक तकनीकी महत्व तो होता ही पर इससे भी आगे बढ़कर मैं इसे देशों के बीच के आपसी सहयोग, तालमेल व विश्वास में बढ़ोतरी के माध्यम के रूप में देखता हूं। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन हमारे और हमारे भागीदार देशों के बीच भरोसा बढ़ाते हैं। उनके बीच यह भरोसा जगाते हैं कि जब कभी भी आवश्यकता होगी तो हम सब एक साथ खड़े रहेंगे। 'तरंग शक्ति' के माध्यम से हमने अपने साझेदार देशों अपने गठजोड़ को और भी मजबूत किया है।

रक्षा मंत्री ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत के नए संकल्प के साथ भारतीय रक्षा क्षेत्र तेजी से आगे बढ़ रहा है और आज दुनिया भर के श्रेष्ठ और आधुनिक विमानों तथा अगली पीढ़ी के उपकरणों के साथ, भारतीय वायुसेना ने खुद का रूपांतरण किया है। सिंह ने कहा, हमारी वायुसेना, और हमारा रक्षा क्षेत्र आत्मनिर्भर भारत के नए संकल्प के साथ तेजी से आगे बढ़ रहा है। आज हल्के लड़ाकू विमान, सेंसर, राडार और इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर जैसी चीजों में हम बहुत हद तक आत्मनिर्भर हो चुके हैं और इन क्षेत्रों में लगातार आगे बढ़ने के लिए हम प्रयासरत हैं।

उन्होंने कहा कि भारतीय वायु सेना अपनी स्थापना के समय से ही,अपनी शक्ति और शौर्य के लिए जानी जाती रही है। देश को जब-जब भी जरूरत पड़ी, वायु सेना ने डटकर उस परिस्थिति का सामना किया, और अपनी शक्ति का प्रदर्शन करते हुए राष्ट्र का मस्तक सारे विश्व में ऊंचा किया है। सिंह ने कहा कि हमारे देश भारत को आजाद हुए 75 वर्ष से अधिक हो गए हैं। आज का यह 'लैंडमार्क इवेंट' जहां एक ओर भारतीय वायुसेना की की अब तक की 'शानदार उपलब्धियों' का उत्सव मनाने का अवसर है, वहीं दूसरी ओर यह, हमारी वायुसेना की अब तक की यात्रा को भी याद करने का अवसर देता है। उन्होंने कहा, आज हम न केवल दुनिया की सबसे तेज गति से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था हैं, बल्कि हमारी सशस्त्र सेनाएं दुनिया की सबसे ताकतवर सशस्त्र सेनाओं में से एक मानी जाती हैं।

उन्होंने कहा,कुछ समय पहले तक भारत को हथियार व उपकरण के मामले में सिर्फ एक आयातक देश के रूप में देखा जाता था, लेकिन आज भारत लगभग 90 देशों को हथियार व उपकरण का निर्यात करता है। ऐसे अनेक उदाहरण हैं, जो हमारी वायु सेना और हमारे रक्षा क्षेत्र के विकास इवोल्यूशन की स्वर्णिम कहानी कहते हैं। इससे पहले भारतीय वायुसेना की टीम के 'एयर शो' में सारंग हेलीकॉप्टर टीम, सूर्य किरण एरोबैटिक टीम और हल्के लड़ाकू विमान प्रचंड ने भाग लिया। बाद में रक्षा मंत्री ने भारत रक्षा विमानन प्रदर्शनी (आईडीएएक्स)-2024 का उद्घाटन किया जो 14 सितंबर तक चलेगी। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, प्रमुखा रक्षा अध्यक्ष जनरल अनिल चौहान,वायुसेना प्रमुख वी आर चौधरी, नौसेना प्रमुख एडमिरल डी के त्रिपाठी, सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी, डीआरडीओ के अध्यक्ष डॉ. समीर वी कामत भी मौजूद थे।

राजस्थान के कई स्थानों पर मूसलाधार बारिश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के कई जिलों में लगातार बारिश से निचले इलाकों में जलभराव की स्थिति पैदा हो गई है। मौसम विभाग के अनुसार राज्य में आगामी चौबीस घंटे में भी कई जगह भारी से अति भारी बारिश हो सकती है।

मौसम केंद्र, जयपुर के अनुसार बृहस्पतिवार सुबह तक के चौबीस घंटे में राज्य में कई जगह भारी से अति भारी बारिश हुई। सबसे अधिक 237 मिलीमीटर बारिश धौलपुर के राजाखेड़ा में हुई। इसके अलावा धौलपुर में 186 मिलीमीटर बारिश हुई। झालावाड़ के अकलेरा में 130 मिमी., सवाई माधोपुर में 159 मिमी. बारिश हुई जो अति भारी श्रेणी में आती है।

इसके अलावा भी भरतपुर, करौली, कोटा व प्रतापगढ़ में कई जगह भारी बारिश हुई। धौलपुर तथा आसपास के इलाके में लगातार हो रही बारिश के बाद में पार्वती बांध के दस गेट खोलकर पानी की निकासी की जा रही है। इसके साथ ही धौलपुर बाड़ी मार्ग पर स्थित उर्मिला सागर बांध भी ओवरफ्लो हो गया है तथा धौलपुर से करौली को जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग 11बी को आवागमन के लिए बंद किया गया है। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार मध्य प्रदेश के ऊपर बना 'डिप्रेशन' आज दक्षिण-पश्चिमी उत्तर प्रदेश के ऊपर पहुंच चुका है। इसके आगामी 24 घंटों में लगभग उत्तर की ओर आगे बढ़ने व कमजोर होकर 'वेल मार्क लो प्रेशर' बनने की संभावना है। इस तंत्र के प्रभाव से आगामी 24 घंटों भरतपुर, जयपुर व कोटा संभाग के कुछ भागों में मेघ गर्जन के साथ कहीं-कहीं भारी, अति भारी बारिश व अजमेर, उदयपुर संभाग के कुछ भागों में हल्की मध्यम बारिश होने की संभावना है।

वहीं 13 सितंबर से राज्य में भारी बारिश की गतिविधियों में कमी होने तथा उत्तर-पूर्वी राजस्थान में मेघ गर्जन के साथ बारिश की गतिविधियां जारी रहने की संभावना है। 14 से 17 सितंबर के दौरान छिटपुट स्थानों पर हल्की मध्यम बारिश होने की संभावना है। मौसम केंद्र के मुताबिक पश्चिमी राजस्थान के अधिकांश भागों में आगामी दिनों में मौसम मुख्यतः शुष्क रहने व केवल छुटपुट स्थानों पर हल्की मध्यम बारिश होने की संभावना है।

सनातन संस्कृति की संरक्षक है संस्कृत : गोपाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। संस्कृत भाषा न केवल भारत की सांस्कृतिक धरोहर है बल्कि यह संपूर्ण मानव जाति के लिए ज्ञान का अथाह सागर भी है। संस्कृत सनातन संस्कृति की आत्मा है। इसकी महिमा और अद्वितीयता को पहचान कर इसे संरक्षित और संवर्धित करना चाहिए। यह बात गुरुवार को जगद्गुरु रामानंदाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय में हुए शिक्षक सम्मान समारोह में विधायक डॉ. गोपाल शर्मा ने कही। उन्होंने कहा कि संस्कृत न केवल अतीत की धरोहर है बल्कि यह भविष्य की भी कुंजी है। संस्कृत के माध्यम से अपनी जड़ों को समझकर हम एक समृद्ध और ज्ञानमय समाज का निर्माण कर सकते हैं। संस्कृत के अध्ययन से न केवल प्राचीन भारतीय संस्कृति की गहरी समझ प्राप्त होती है बल्कि यह आधुनिक विज्ञान, गणित, चिकित्सा और प्रौद्योगिकी के विभिन्न पहलुओं को भी स्पष्ट करती है। संस्कृत मस्तिष्क को तर्कसंगत और संगठित ढंग से सोचने की क्षमता प्रदान करती है।

अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. रामसेवक दुबे ने कहा कि शिक्षक के सम्मान की सर्वप्रथम उद्घोषणा गुरुशिष्य परंपरा करती है, जिसकी वाहक संस्कृत भाषा है। संस्कृत पढ़कर प्राचीनता और आधुनिकता को एक साथ जाना जा सकता है। समारोह संयोजक शास्त्री कोसलेंद्रदास ने बताया कि समारोह में तीन महिलाओं के साथ 10 शिक्षकों का सम्मान हुआ। राजस्थान संस्कृत अकादमी में संपूर्ण अथर्ववेद को ऑडियो और वीडियो में सस्वर रिकॉर्ड करने वाले डॉ. नारायण होसमने, शारीरिक शिक्षा एवं खेल गतिविधियों को संस्कृत भाषा के माध्यम संचालित करने के लिए डॉ. राजेंद्र कुमार शर्मा सहित आरएएस की नौकरी छोड़ केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के जयपुर परिसर में व्याकरण शास्त्र पढ़ा रही डॉ. किरण खींची का सम्मान हुआ। सभी शिक्षकों को सम्मान पत्र, शॉल, श्रीफल और राशि प्रदान की गई। मंगलाचरण डॉ. माताप्रसाद शर्मा और धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव डॉ. सुभाष शर्मा ने किया।

समारोह में संस्कृत भाषा के संवर्धन के लिए विधायक डॉ. गोपाल शर्मा ने प्रतिवर्ष 25 लाख रुपये विधायक निधि से देने की घोषणा की। साथ ही तीन श्रेणियों में संस्कृत सम्मान देने की योजना के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि संस्कृत को बढ़ाने की जिम्मेदारी युवाओं की है, जिन्हें संस्कृत को घर-घर पहुंचाने का काम आरंभ कर देना चाहिए।

छोटे शहर में भी बढ़ाई जाए आवासीय योजनाएं : रश्मि शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान आवासन मंडल की सभी अधिशेष व्यावसायिक एवं आवासीय परिसम्पत्तियों का नियमानुसार जल्द से जल्द निस्तारण किया जाए। ताकि राज्य सरकार की आमजन को अपना आवास देने का संकल्प साकार हो सके। ये कहना है आवासन आयुक्त श्रीमती डॉ. रश्मि शर्मा का। उन्होंने मंडल की प्रगतिधीन महत्वपूर्ण परियोजनाओं को लेकर हुई बैठक में अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अभियंता पूर्ण समर्पण एवं कर्तव्यनिष्ठा के साथ आवासों का निर्माण करें। वे निर्मित आवासों के विक्रय का लक्ष्य अविलम्ब प्राप्त कर आमजन को गुणवत्तापूर्ण आवास उपलब्ध कराएं। डा शर्मा ने सभी अभियंताओं को निर्देश दिये की वे समय-समय पर निर्माणाधीन योजनाओं का औचक निरीक्षण करें साथ ही सैंपलिंग भी समय समय पर होती रहे। उल्लेखनीय है की हाल ही में डा रश्मि ने जयपुर स्तिथ आवासन मण्डल की संपत्तियों का औचक निरीक्षण किया था जहाँ उन्होंने खुद के समक्ष सैंपल्स की जाँच लैब में करवाई थी।

आयुक्त आवासन आयुक्त डॉ. रश्मि शर्मा ने कहा कि मंडल प्रदेश के सभी अंचलों में आमजन को आवास देने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है। उन्होंने मंडल की योजनाओं के लिए जमीनों को तय समय पर अवाप्त करने एवं आवासों की नीलामी भी तय समय पर करने के निर्देश दिए। ताकि मण्डल की आवासीय योजनाओं का लाभ ज्यादा से ज्यादा आमजन को मिल सकें।

उन्होंने कहा कि ऐसी संस्थागत संपत्तियों का चिह्नीकरण किया जाए, जहां आवंटन पश्चात तय समय सीमा के अंदर निर्माण नहीं हुआ है, ऐसी संपत्तियों का निरस्तीकरण तत्काल प्रभाव से किया जाए। आवासन आयुक्त ने खाली मकानों के शीघ्र ऑक्शन करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने नवीन आवासीय योजनाओं के संबध में विस्तृत दिशा-निर्देश प्रदान किए। उन्होंने कहा कि अभियंता जमीन को अवाप्त करने से पहले कोस्ट बेनेफिट अध्ययन भी सुनिश्चित करें।

कोटा में वन्यजीवों के अवैध व्यापार का पर्दाफाश, चार लोग गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा। राजस्थान के कोटा में पशुओं के अंगों के अवैध व्यापार में शामिल होने के आरोप में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है और उनके पास से भारी मात्रा में 'मॉनिटर छिपकली' के जननांग, हिरण के सींग और सियार की खाल बरामद की गई है। वन विभाग के अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि नयी दिल्ली स्थित वन्यजीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो (डब्ल्यूसीसीबी) से मिली जानकारी के आधार पर कोटा के घंटाघर और गुमानपुरा इलाकों में चार दुकानों में छापेमारी की गई। उन्होंने बताया कि इन दुकानों में मॉनिटर छिपकलियों के जननांग, कछुए के अंग, हिरण के सींग और सियार की खाल समेत अवैध वन्यजीव उत्पाद बरामद किए गए हैं।

अधिकारियों ने बताया कि अभेड़ा जैविक उद्यान के क्षेत्रीय वन कार्यालय के दलों ने इन दुकानों में छापेमारी की थी। उन्होंने बताया कि जिन दुकानों पर छापेमारी की गई वे धार्मिक अनुष्ठानों में प्रयुक्त सामग्री की आड़ में पशुओं के अंग बेचते थे। कोटा वन्यजीव के सहायक वन संरक्षक (एसीएफ) अनुराग कुमार भटनागर ने बताया कि डब्ल्यूसीसीबी के कर्मचारी दुकानों पर जंगली जानवरों के अंगों की बिक्री पर नजर रख रहे थे। उन्होंने बुधवार को वन विभाग को सूचना दी, जिसके बाद इन दुकानों में छापेमारी की गई।

उन्होंने बताया कि चारों व्यापारियों के खिलाफ वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 की धारा 39, 49 (बी) और 50 के तहत मामला दर्ज किया गया है और उन्हें बृहस्पतिवार को अदालत में पेश किया जाएगा। भटनागर ने बताया कि इस मामले में एक अन्य व्यापारी से पूछताछ की गई लेकिन उसकी दुकान से कोई पशु अंग नहीं मिला है।

उपभोक्ताओं को बेहतर सेवाएं प्रदान करना प्रत्येक निगम कार्मिक की जिम्मेदारी : डोगरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। चेयरमैन डिस्कॉम्स एवं जयपुर विद्युत वितरण निगम की प्रबंध निदेशक सुआरती डोगरा ने कहा कि उपभोक्ताओं को बेहतर सेवाएं प्रदान करना तथा उनकी समस्याओं का त्वरित निस्तारण निचले स्तर तक प्रत्येक निगम कार्मिक की जिम्मेदारी है। सेवाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही तथा निगम हितों के प्रतिकूल व्यवहार को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सुडोगरा गुरुवार को विद्युत भवन के कॉन्फ्रेंस हॉल में जयपुर विद्युत वितरण निगम के सभी वृत्त अधीक्षण अभियंताओं के साथ विभिन्न विषयों पर समीक्षा कर रही थीं। उन्होंने कहा कि बिजली आम उपभोक्ता की आवश्यकता से जुड़ी महत्वपूर्ण सेवा है। फील्ड में कार्यरत अधीक्षण अभियंता यह सुनिश्चित करें कि मीटर बदलने, कनेक्शन, बिजली आपूर्ति बहाल करने जैसे कार्यों के लिए उपभोक्ताओं को परेशान न होना पड़े।

डिस्कॉम्स चेयरमैन ने कहा कि कुसुम योजना किसानों को दिन में बिजली आपूर्ति करने तथा पीएम सूर्यघर निशुल्क बिजली योजना सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। ऐसे में इन योजनाओं की निचले स्तर तक मॉनीटरिंग करें। उन्होंने अधीक्षण अभियंताओं को नियमित रूप से एक्सईएन तथा एईएन कार्यालयों, स्टोर, ग्रिड सब स्टेशनों तथा विद्युत फीडर्स का निरीक्षण करने के निर्देश दिए। इससे उन्हें विद्युत तंत्र में अपेक्षित सुधारों को लागू करने और कमियों को दूर करने का मौका मिलेगा।

सुडोगरा ने इस दौरान सर्किल वार एटी एंड सी लॉसेज, रिकवरी, मेटेरियल की उपलब्धता, बकाया कनेक्शन, ट्रांसफॉर्मर बदलने, उपभोक्ताओं की शिकायतों के निराकरण, पीएम सूर्यघर निशुल्क बिजली योजना आदि की समीक्षा की। बैठक में निदेशक तकनीकी एस एस नेहरा, सचिव (प्रशासन) नरेश सिंह तंवर, जयपुर, जोन के संभागीय मुख्य अभियंता आर के जीनवाल, भरतपुर जोन के संभागीय मुख्य अभियंता उमेश गुप्ता, कोटा जोन के संभागीय मुख्य अभियंता जी एस बैरवा, मुख्य लेखा नियंत्रक एके जोशी, योगेन्द्र राठौड़ सहित सभी सर्किलों के अधीक्षण अभियंता एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

शिक्षा-स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता : मीणा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उदयपुर जिले के प्रभारी मंत्री एवं राजस्व व उपनिवेशन मंत्री हेमन्त मीणा ने गुरुवार को उदयपुर जिले की जिला परिषद सभागार में समीक्षा बैठक ली। लोकसभा सांसद डॉ. मन्नालाल रावत, जिला प्रमुख ममता कुंवर और उदयपुर ग्रामीण विधायक फूलसिंह मीणा की उपस्थिति में हुई बैठक में प्रभारी मंत्री मीणा ने शिक्षा व स्वास्थ्य सेवाओं की बेहतरी को राज्य सरकार सर्वोच्च प्राथमिकता बताया और समस्त अधिकारियों को इस पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने मुख्यमंत्री बजट घोषणा क्रियान्वयन की प्रगति, वर्षाजनित कारणों से क्षतिग्रस्त विद्यालय भवन, स्वास्थ्य केंद्र भवनों, सड़क, नहर, पुलिया आदि के मरम्मत प्रस्तावों, फसल खराबा आदि की विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए।

जिला कलक्टर अरविन्द पोसवाल ने सभी अधिकारियों को बैठक में दिए गए निर्देशों की उचित पालना करते हुए आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। बैठक को संबोधित करते हुए प्रभारी मंत्री मीणा ने कहा कि बजट घोषणाओं की क्रियान्विति के लिए विभागीय अधिकारी आपस में समन्वय रखते हुए कार्य करें। सभी कार्य समय पर पूरे होने चाहिए। उन्होंने बजट घोषणाओं को लेकर जमीन आवंटन की स्थिति जानी।

कुछ प्रोजेक्ट में जमीन आवंटन प्रस्ताव लंबित होने पर असंतोष व्यक्त करते हुए जिला कलक्टर पोसवाल को स्वयं मॉनिटरिंग करते हुए प्रस्ताव जल्द तैयार करा आवंटन की कार्यवाही कराने के लिए निर्देशित किया। इस दौरान एडीएम दीपेन्द्र सिंह ने 15 बजट घोषणाओं में से 8 में भूमि आवंटित हो जाने और अन्य में प्रगति के बारे में अवगत कराया।

सड़कों के साथ होगी ड्रेनेज की प्लानिंग : दीया कुमारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने कहा है की प्रदेश में सड़कों के साथ बेहतरीन ड्रेनेज और सीवरेज सिस्टम विकसित करना सरकार की प्राथमिकता है। इससे जलभराव और बारबार सड़क टूटने की समस्या से निजात मिलेगी।

सरकार इसके लिए बेहतरीन प्लान बना कर काम कर रही है। उपमुख्यमंत्री गुरुवार को विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र के वार्ड नंबर पाँच और 12 में उच्च जलाशयों के शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित कर रही थीं। उप मुख्यमंत्री ने विधिवत पूजा अर्चना कर वार्ड 12 बैनाड रोड पवनपुरी में तथा वार्ड 5 पार्षद कार्यालय के सामने बढ़ारणा में उच्च जलाशयों का शिलान्यास किया।

उप मुख्यमंत्री ने कहा की इन उच्च जलाशयों के बनने से क्षेत्र की जनता को निर्बाध रूप से पानी मिलेगा। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में पेयजल की गंभीर समस्या थी इन जलाशयों के बनने से उस समस्या का समाधान हो जाएगा। इन उच्च जलाशयों का निर्माण कार्य मार्च 2025 और अगस्त 2025 तक पूरा किया जाना है।

राजस्थान रिफाइनरी प्रदेश का ड्रीम प्रोजेक्ट का कार्य लगभग पूरा, आर्थिक विकास में लगेंगे चार चांद : रविकांत

जयपुर। प्रमुख शासन सचिव माइंस एवं पेट्रोलियम टी. रविकान्त ने गुरुवार को सचिवालय में रिफाइनरी के अधिकारियों के साथ एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी परियोजना के कार्यों की प्रगति की समीक्षा बैठक की। उन्होंने बताया कि रिफाइनरी की 10 प्रोसेस इकाइयों का 90 प्रतिशत से अधिक कार्य पूरा हो चुका है, वहीं परियोजना क्षेत्र में करीब 81 प्रतिशत काम हो गया है। उन्होंने रिफाइनरी के शेष बकाया कार्यों के निष्पादन में तेजी लाने की आवश्यकता प्रतिपादित की। टी. रविकांत ने बताया कि राजस्थान रिफाइनरी राज्य सरकार का ड्रीम प्रोजेक्ट है। इससे प्रदेश के औद्योगिक व आर्थिक विकास में चार चांद लग जाएंगे। एचपीसीएल और राजस्थान सरकार की संयुक्त उद्यम कंपनी एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी लिमिटेड द्वारा पचपदरा (बाड़मेर) में 9 मिलियन टन वार्षिक क्षमता की बीएस-6 मानक की अत्याधुनिक राजस्थान रिफाइनरी के काम में तेजी आई है।

नाबालिग लड़की से बंधुआ मजदूरी कराने के आरोप में सपा विधायक को नोटिस

भदोही/भाषा। उत्तर प्रदेश के भदोही से समाजवादी पार्टी (सपा) के विधायक जाहिद बेग और उनकी पत्नी को श्रम विभाग ने 17 वर्षीय लड़की से ढाई साल तक बाल बंधुआ मजदूरी कराने के आरोप में नोटिस जारी किया है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि विधायक के आवास पर बृहस्पतिवार की दोपहर नोटिस भेजा गया और एक सप्ताह के भीतर जवाब मांगा गया है। यह कार्रवाई सोमवार को बेग के घर में घरेलू सहायिका के तौर पर काम करने वाली एक अन्य किशोरी द्वारा आत्महत्या के बाद की गई। विधायक के घर से मंगलवार को मुक्त करायी गयी एक अन्य किशोरी को बाल कल्याण समिति के समक्ष पेश करने के बाद देखभाल के लिए एक सामाजिक संगठन के सुपुर्द कर दिया गया। श्रम विभाग के अधिकारियों ने बताया कि मुक्त करायी गयी लड़की की मेडिकल जांच में उसकी उम्र 17 वर्ष बताई गई है।

पूर्ववर्ती सरकारें संसाधन के बावजूद गरीबों को शिक्षा देने में असफल रहीं : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को पिछली सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि उनके पास संसाधन थे, लेकिन वे राज्य में वंचितों को शिक्षा देने में विफल रहे।

योगी आदित्यनाथ ने राज्य सरकार द्वारा संचालित अटल आवासीय विद्यालयों की मौजूदा संख्या 18 को चरणबद्ध तरीके से विस्तारित कर 2,000 तक करने की योजना की शुरुआत के मौके पर यह टिप्पणी की। मुख्यमंत्री ने बृहस्पतिवार को मोहनलालगंज स्थित अटल आवासीय विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में एक साथ प्रदेश के सभी 18 अटल आवासीय विद्यालयों में शैक्षिक सत्र 2024-25 का शुभारंभ किया। इस अवसर पर योगी आदित्यनाथ ने कहा, ''अभी हमने 18 विद्यालय प्रारंभ किए हैं, जबकि दूसरे चरण में 57 जनपदों में कंपोजिट विद्यालय के रूप में भी ऐसे ही विद्यालय खोलने जा रहे हैं। वहीं, तीसरे चरण में इसे प्रदेश की सभी 350 तहसीलों में लेकर जाएंगे और चौथे चरण में 825 विकास खंड में इस तरह के विद्यालयों की स्थापना होगी।'' उन्होंने कहा कि यही नहीं पांचवें चरण में इसे हम न्याय पंचायत स्तर पर लेकर जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि इसका अभिप्राय है कि 2000 ऐसे विद्यालय प्रदेश के अंदर दिखाई देंगे जो बच्चों को उत्तम शिक्षा देने का माध्यम बनेंगे। उन्होंने कहा कि अगले चरण में जो 57 विद्यालय बनेंगे उनमें पहली कक्ष से लेकर 12वीं क्लास तक के बच्चे अध्ययन करेंगे और इनमें बाल वाटिका भी बनाई जाएगी। मुख्यमंत्री ने 'बंटवारे' की राजनीति करने वालों पर हमला करते हुए सवाल किया, ''ये जाति के नाम पर लड़ाने वाले, समाज में सामाजिक न्याय के नाम पर सामाजिक वैमनश्यता पैदा कर देश के दुश्मनो को प्रोत्साहित करने वाले लोग गरीबी के दंश को क्या झेल पाएंगे, क्या समझ पाएंगे।''

उन्होंने सवाल किया, '' जिन लोगों ने हमेशा शोषण किया, अराजकता फैलाई, कभी गरीबी नहीं देखी, उनसे उम्मीद करना कि वो बीओसी बोर्ड से जुड़े हुए रजिस्टर्ड श्रमिक या इन निराश्रित बच्चों जिन्होंने कोविड कालखंड में अपने माता-पिता या अभिभावक को खोया है, उनकी पीड़ा को समझ पाएंगे? '' मुख्यमंत्री ने कहा, उन लोगों के पास उसे समझने के लिए न समय है, न फुर्सत है, क्योंकि उनके अपने ऐजेंडे हैं। उनका एकमात्र एजेंडा और ध्येय राजनीतिक स्वार्थ के लिए लोगों को बांटना है। इसके अलावा उनको कुछ भी नहीं दिखाई देता।

उत्तर प्रदेश पुलिस को 'ट्रिगर-हैप्पी' कहना अनुचितः डीजीपी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर में लूट कांड के एक आरोपी की पुलिस से मुठभेड़ में मौत को लेकर जारी राजनीतिक बयान बाजी के बीच प्रदेश के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) प्रशांत कुमार ने बृहस्पतिवार को कहा कि राज्य पुलिस 'ट्रिगर-हैप्पी' (मनमानी तरीके से गोली चलाने वाली) नहीं है।

उन्होंने कहा कि पुलिस मुठभेड़ जैसे मामलों में स्थापित नियम कायदों का सख्ती से पालन करती है और संवैधानिक निकायों की ओर से उसे किसी आलोचना का सामना नहीं करना पड़ा है। कुमार की टिप्पणी सुल्तानपुर जिले में हाल ही में हुई 1.5 करोड़ रुपए के आभूषण लूट मामले के आरोपी मंगेश यादव की पुलिस से हुई कथित मुठभेड़ में मौत के बाद आई है। इस मुठभेड़ को लेकर राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप शुरू हो गए हैं। समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर जाति और धर्म के आधार पर लोगों को निशाना बनाने के लिए फर्जी मुठभेड़ करने का आरोप लगाया है। यादव ने मंगलवार को उत्तर प्रदेश सरकार की आलोचना करते हुए कहा था कि भाजपा शासन के दौरान मुठभेड़ों के आंकड़े 'अवैध हत्याओं के अन्याय' और 'पीडीए (पिछड़ा दलित और अल्पसंख्यक) के खिलाफ किए गए अन्याय' के भी आंकड़े हैं।

उच्चतम न्यायालय पश्चिम बंगाल में न्यायिक अधिकारियों की सुरक्षा संबंधी चिंताओं का संज्ञान लेः भाजपा

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बृहस्पतिवार को उच्चतम न्यायालय से पश्चिम बंगाल में सुरक्षा को लेकर न्यायिक अधिकारियों की ओर से जताई गई चिंता का संज्ञान लेने का आग्रह किया और साथ ही आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी चाहती हैं कि राज्य में 'प्रतिबद्ध न्यायपालिका' हो। पश्चिम बंगाल में डायमंड हार्बर उपमंडलीय अदालत के वरिष्ठ न्यायिक अधिकारियों ने रविवार रात एक व्यक्ति को कथित तौर पर उनके आवासीय परिसर के बाहर घूमते हुए देखा था। इसके बाद उन्होंने अपनी सुरक्षा को लेकर चिंता जताई प्रकट की थी। अधिकारियों को संदेह है कि वह व्यक्ति विशेष रूप से यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम से संबंधित मामलों से जुड़े हालिया न्यायिक आदेशों के बाद न्यायपालिका में डर पैदा करने और इसके कामकाज में बाधा डालने के लिए परिसर में बिजली आपूर्ति ठप करना चाहता था। इस घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा, ''मामला डायमंड हार्बर उपमंडलीय अदालत से संबंधित है, जो उस लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आता है जहां से ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी सांसद हैं।'' उन्होंने कहा, ''यह वह क्षेत्र है जहां खुलेआम गुंडागर्दी चल रही है। वहां कोई कानून नहीं है, कोई पुलिस नहीं है... ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी ही राज करते हैं।''

मणिपुर के जिरीबाम में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में आग लगायी गई

इंफाल/भाषा। संघर्ष प्रभावित मणिपुर में आगजनी की एक ताजा घटना में बृहस्पतिवार को जिरीबाम जिले में अज्ञात लोगों ने एक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में आग लगा दी। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह घटना सुबह बोरोबेकरा इलाके में घटी जो पुलिस चौकी से 200 मीटर से भी कम दूरी पर स्थित है। घटना के समय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) के अंदर कोई मौजूद नहीं था इसलिए किसी के घायल होने की खबर नहीं है। सुरक्षा बल मौके पर पहुंच गए हैं। इससे पहले सात सितम्बर को जिरीबाम में हिंसा की एक ताजा घटना में पांच लोगों की मौत हो गयी थी। इम्फाल घाटी में रहने वाले मेइती और समीपवर्ती पहाड़ी क्षेत्रों में रहने वाले कुकी-जो समूहों के बीच पिछले वर्ष मई में जातीय हिंसा शुरू हुई। इसमें 200 से अधिक लोग मारे गए हैं और हजारों लोग बेघर हो गए।

खेल मंत्री ने लिएंडर पेस से मुलाकात कर भारतीय खेलों के भविष्य पर चर्चा की

नई दिल्ली/भाषा। खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने भारतीय खेलों के भविष्य तथा ओलंपिक और पैरालंपिक में देश के प्रदर्शन में सुधार के लिए रणनीति पर चर्चा के लिए बृहस्पतिवार को अंतरराष्ट्रीय टेनिस हॉल ऑफ फेम में शामिल लिएंडर पेस से मुलाकात की। मांडविया ने ट्वीट किया, ''आज महान ओलंपिक पदक विजेता लिएंडर से मुलाकात शानदार रही। उन्हें टेनिस हॉल ऑफ फेम में शामिल किये जाने के लिए बधाई भी दी। वह अब भी युवा खिलाड़ियों को उनके सपनों का पीछा करने के लिए प्रेरित करते हैं। '' बैठक में भारत में एक मजबूत खेल तंत्र बनाने पर ध्यान केंद्रित किया गया जिसमें जमीनी स्तर की प्रतिभाओं की पहचान के साथ उनके पोषण पर विशेष जोर दिया गया। मांडविया ने खिलाड़ियों को विश्व स्तरीय सुविधाओं, शीर्ष स्तरीय कोचिंग और प्रतिस्पर्धी मौके मुहैया कराने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। सात बार के ओलंपियन पेस ने वैश्विक मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करने के अपने दशकों के अनुभव से खेल के शीर्ष स्तर पर उत्कृष्टता हासिल करने के बारे में अपनी अंतर्दृष्टि साझा की। 18 बार के ग्रैंड स्लैम विजेता 51 वर्षीय पेस को इस साल जुलाई में टेनिस हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया था।

मायावती ने आरएसएस-भाजपा से सुपारी ली, उनका राजनीतिक अंत जरूरीः कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने राहुल गांधी पर मायावती के हमले को लेकर पलटवार करते हुए दावा किया कि बसपा की प्रमुख ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ तथा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का सहयोग करने की सुपारी ले रखी है, इसलिए उनका राजनीतिक अंत जरूरी है।

पार्टी नेता उदित राज ने यह आरोप भी लगाया कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल जब भी आरएसएस और भाजपा पर हमले करते हैं तो दर्द मायावती को होता है। मायावती ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा अमेरिका में की गई टिप्पणी को लेकर आरोप लगाया था कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष आरक्षण के बारे में भ्रामक बयान दे रहे हैं। उन्होंने दावा किया था कि राहुल की कांग्रेस पार्टी ने ही केंद्र में 10 साल के शासन के दौरान पदोन्नति में अजा/अजजा आरक्षण विधेयक को पारित नहीं होने दिया। उदित राज ने मायावती पर पलटवार करते हुए आरोप लगाया, ''भाजपा आरक्षण विरोधी है। राहुल गांधी आरक्षण को मजबूत करना चाहते हैं। जब भाजपा अपना बचाव नहीं कर पा रही है तो उसने अपने बचाव के लिए मायावती को 'हायर' कर लिया है...जब राहुल गांधी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भाजपा पर हमला करते हैं, तो दर्द मायावती जी को होता है।''

एनईएसओ ने मणिपुर में हिंसा समाप्त करने के लिए प्रधानमंत्री से हस्तक्षेप की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिलांग/भाषा। नॉर्थ ईस्ट स्टूडेंट्स यूनियन (एनईएसओ) ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मणिपुर में जारी हिंसा को समाप्त करने के लिए हस्तक्षेप करने की बृहस्पतिवार को अपील की। एनईएसओ में पूर्वोत्तर क्षेत्र के विभिन्न छात्र संगठन शामिल हैं।

एनईएसओ के अध्यक्ष सैमुअल जिर्वा ने कहा कि संघर्ष को सुलझाने में विफलता न सिर्फ मणिपुर की स्थिरता' को नुकसान पहुंचाती है, बल्कि पूरे पूर्वोत्तर क्षेत्र की व्यापक शांति और सुरक्षा के लिए भी खतरा पैदा करती है। जिर्वा ने कहा, एनईएसओ ने बार-बार भारत सरकार और माननीय प्रधानमंत्री से इस मामले में निर्णायक हस्तक्षेप करने की अपील की है। उन्होंने कहा, माननीय प्रधानमंत्री की लंबी चुप्पी ने संकट को और बढ़ाने का ही काम किया है और उन्होंने हिंसा भड़कने के बाद से अब तक मणिपुर का दौरा नहीं किया है। एनईएसओ के अनुसार, मजबूत नेतृत्व और हस्तक्षेप के अभाव ने संघर्ष को और अधिक गंभीर बना दिया है, जिससे हिंसा बढ़ी और लोगों की पीड़ा में इजाफा हुआ है। जिर्वा ने कहा कि एक छात्र संगठन के रूप में एनईएसओ ने इस संकट के शांतिपूर्ण समाधान का लगातार आह्वान किया है। रचनात्मक वार्ता ही आगे बढ़ने का एकमात्र रास्ता है, जहां प्रत्येक व्यक्ति के अधिकारों, आकांक्षाओं और गरिमा का सम्मान किया जाए और उसे बरकरार रखा जाए। उन्होंने कहा कि मणिपुर के लोग शांति के हकदार हैं और यह केवल आपसी समझ और अहिंसा के प्रति प्रतिबद्धता के माध्यम से ही प्राप्त की जा सकता है।

अमेरिका में दिए बयान के लिए धनखड़ ने राहुल गांधी की आलोचना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के अमेरिका में दिए गए बयान को लेकर जाहिर तौर पर उन पर हमला करते हुए कहा कि ''संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति का राष्ट्र के दुश्मनों में शामिल हो जाने से अधिक निंदनीय और असहनीय कुछ नहीं है।''

धनखड़ का यह बयान ऐसे समय में आया है जब भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने राहुल गांधी की अमेरिका यात्रा के दौरान अमेरिकी सांसद इल्हान उमर और अन्य लोगों से मुलाकात को लेकर उन पर एक दिन पहले ही निशाना साधा था। भाजपा ने आरोप लगाया था कि कांग्रेस नेता विदेशों में उन लोगों से संपर्क कर 'खतरनाक और शरारतपूर्ण' गतिविधियों में संलिप्त हैं जो अपने भारत विरोधी रुख के लिए जाने जाते हैं। धनखड़ ने यहां राज्यसभा इंटर्नशिप कार्यक्रम के तीसरे बैच के प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि वह इस बात से बहुत दुखी और परेशान हैं कि पद पर बैठे कुछ लोगों को राष्ट्रीय हित की कोई जानकारी नहीं है। उपराष्ट्रपति ने अपने भाषण में किसी का नाम नहीं लिया। उन्होंने कहा, ''अगर हम सच्चे भारतीय हैं तो हम देश के दुश्मनों का पक्ष कभी नहीं लेंगे। मैं इस बात से दुखी और परेशान हूं कि कुछ लोग जो पद पर हैं, उन्हें भारत के बारे में कुछ भी पता नहीं है। उन्हें हमारे संविधान के बारे में कुछ भी पता नहीं है, उन्हें हमारे राष्ट्रीय हित के बारे में कुछ भी पता नहीं है... मुझे यकीन है कि आप जो देख रहे हैं, उसे देखकर आपका दिल दुख रहा होगा।''

दलीप ट्रॉफीः इशान किशन ने शतक के साथ प्रथम श्रेणी क्रिकेट में यादगार वापसी की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अनंतपुर/भाषा। इशान किशन ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में एक साल से भी अधिक समय बाद जोरदार वापसी करते हुए शतक जड़ा जिससे भारत सी ने बृहस्पतिवार को यहां दलीप ट्रॉफी मैच में भारत बी के खिलाफ पांच विकेट पर 357 रन बनाए।

किशन ने 126 गेंद में 14 चौकों और तीन छक्कों से 111 रन की पारी खेली। भारत सी ने इससे पहले अच्छी शुरुआत के बाद सलामी बल्लेबाजों रजत पाटीदार (40) और बी साई सुदर्शन (43) के विकेट जल्दी-जल्दी गंवाए जिससे उसका स्कोर दो विकेट पर 97 रन हो गया। किशन ने इस मुकाबले के साथ अपनी फिटनेस भी साबित की। वह शुरुआत में भारत डी टीम में थे लेकिन ग्रोइन की चोट के कारण दलीप ट्रॉफी के पहले दौर में नहीं खेल पाए। किशन के विकल्प के तौर पर संजू सैमसन को भारत डी टीम में शामिल किया गया था जिसके बाद किशन को सी टीम में जगह मिली। मैच की शुरुआत में ही भारत सी को झटका लगा जब कप्तान रुतुराज गायकवाड़ सिर्फ दो गेंद का सामना करने के बाद टखने की चोट के कारण वापस लौट गए। गायकवाड़ की फिटनेस को लेकर चिंताएं हालांकि उस समय दूर हो गईं जब वह किशन के आउट होने के बाद बल्लेबाजी के लिए उतरे। दिन का खेल खत्म होने पर गायकवाड़ 50 गेंद में सात चौकों और दो छक्कों से 46 रन बनाकर खेल रहे थे। मानव सुतार आठ रन बनाकर उनका साथ निभा रहे हैं। दिन हालांकि किशन के नाम रहा जिन्होंने खेल के लंबे प्रारूप में यादगार वापसी की।

ओडिशा में शुक्रवार को बारिश की संभावनाः मौसम विभाग

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा में शुक्रवार से रविवार तक एक बार फिर बारिश होने की संभावना है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने यह जानकारी दी।

मौसम विभाग ने बताया कि बांग्लादेश के तटीय और आसपास के क्षेत्रों में एक नया निम्न दबाव का क्षेत्र बनने का अनुमान है, जिससे राज्य में बारिश हो सकती है।

आईएमडी ने एक विशेष मौसम बुलेटिन में बृहस्पतिवार को बताया कि दक्षिण-पूर्वी बांग्लादेश और उसके आसपास के क्षेत्रों पर ऊपरी हवा के चक्रवाती परिसंचरण के कारण अगले 24 घंटे के भीतर कम दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना है।

मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक, निम्न दबाव का क्षेत्र धीरे-धीरे पश्चिम-उत्तरपश्चिम की ओर बढ़ेगा और अगले 48 घंटों के भीतर तटीय पश्चिम बंगाल और उससे सटे उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक दबाव क्षेत्र में बदल सकता है।

एसीटी हॉकी : हरमनप्रीत के दो गोल से भारत ने कोरिया को 3-1 से हराया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुलुनबुइर (चीन)/भाषा। कप्तान हरमनप्रीत सिंह के दो गोल की मदद से गत चैम्पियन भारत ने बृहस्पतिवार को कोरिया को 3-1 से हराकर हीरो एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी में लगातार चौथी जीत दर्ज की । पेरिस ओलंपिक कांस्य पदक विजेता भारत ने चीन को 3-0 से, जापान को 5-0 और मलेशिया को 8-1 से हराया था। सेमीफाइनल में जगह बना चुकी भारतीय टीम अब शनिवार को आखिरी लीग मैच में पाकिस्तान से खेलेगी ।

छह टीमों के टूर्नामेंट में शीर्ष चार टीमें सेमीफाइनल के लिये क्वालीफाई करेंगी जो सोमवार को खेला जायेगा जबकि फाइनल मंगलवार को होगा । भारत ने शानदार फॉर्म बरकरार रखते हुए पहले ही क्वार्टर में दो गोल की बढत बना ली । मलेशिया के खिलाफ दो गोल करने वाले अराइजीत सिंह हुंडल ने आठवें मिनट में पहला गोल किया । इसके बाद विश्व के सर्वश्रेष्ठ ड्रैग फ्लिकरों में शुमार हरमनप्रीत ने नौवें और 43वें मिनट में दो पेनल्टी कॉर्नर तब्दील किये । कोरिया के लिये एकमात्र गोल 30वें मिनट में जिहुन यांग ने पेनल्टी कॉर्नर पर दागा ।

भारत ने एक बार फिर आक्रामक शुरूआत की और सुखजीत सिंह के पास पर अराइजीत ने पहला गोल दागा । इसके एक मिनट बाद ही मलेशिया के खिलाफ हैट्रिक लगाने वाले राजकुमार पाल ने भारत को पेनल्टी कॉर्नर दिलाया जिस पर हरमनप्रीत ने गोल किया ।

भारत के रिजर्व गोलकीपर सूरज करकेरा ने प्रभावी प्रदर्शन किया और दूसरे क्वार्टर में कोरिया को गोल नहीं करने दिया ।

दूसरे क्वार्टर में कोरिया ने भारतीय गोल पर कई हमले बोले और आखिरी मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर यांग ने गोल दाग दिया । कोरिया को 35वें मिनट में लगातार दो पेनल्टी कॉर्नर मिले लेकिन भारतीय डिफेंस मुस्तैद था । भारत को दो मिनट बाद दूसरा पेनल्टी कॉर्नर मिला लेकिन गोल नहीं हो सका । हरमनप्रीत ने 43वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके भारत की बढत 3 . 1 की कर दी । चौथे क्वार्टर की शुरूआत में जरमनप्रीत सिंह ने एक पेनल्टी कॉर्नर गंवाया लेकिन कोरियाई टीम उस पर गोल नहीं कर सकी ।

'ओलंपिक में भाग नहीं ले पाने के बाद आत्महत्या के विचार आए'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। हाल में हुए पेरिस ओलंपिक में भाग नहीं ले पाना मध्यम दूरी की धाविका हरमिलन बैंस के लिए इतना निराशाजनक था कि एशियाई खेलों में दो बार पदक जीतने वाली यह एथलीट आत्महत्या करने के बारे में सोचने लगी थी।

अब उस कठिन दौर से बाहर निकलने के बाद यह 26 वर्षीय खिलाड़ी मॉडलिंग जैसे दूसरे करियर विकल्प की तलाश कर रही है। हरमिलन पिछले साल चीन में हुए एशियाई खेलों में भारतीय एथलेटिक्स टीम की स्टार खिलाड़ियों में से एक थीं जब उन्होंने 800 मीटर और 1500 मीटर में दो पदक जीते थे।

हालांकि इस पूरे सत्र में वह चोटों से परेशान रहीं जिससे पेरिस ओलंपिक में जगह बनाने की उनकी उम्मीदें धराशायी हो गईं। हरमिलन ने बृहस्पतिवार को पीटीआई से कहा, ''मैं पेरिस ओलंपिक में भाग लेना चाहती थी और मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ दिया। लेकिन लगातार चोटें लगीं और इससे मेरा प्रदर्शन प्रभावित हुआ।'' उन्होंने कहा, ''पेरिस ओलंपिक में भाग नहीं ले पाने के बाद मैं अवसाद में थी, मैं कुछ भी नहीं सोच पा रही थी। यहां तक कि आत्महत्या करने का विचार भी मेरे दिमाग में आया और मैं खेल छोड़ना चाहती थी।'' हरमिलन को 'क्वीन' के नाम से जाना जाता है क्योंकि उनके सोशल मीडिया हैंडल पर भी 'द क्वीन' टैग है। इस समय उन्हें 'ग्रेड 2बी' हैमस्ट्रिंग टियर है और उन्होंने स्वीकार किया कि उनका एथलेटिक्स करियर अनिश्चित है। वह सर्जरी करवा सकती हैं और इस पर जल्द ही निर्णय लिया जाएगा। इस साल की शुरुआत में उन्हें टखने की चोट (पेरोनियल टेंडोनाइटिस) लगी थी जिसे ठीक होने में पांच हफ्ते लगे थे। जून में उन्हें हैमस्ट्रिंग में खिंचाव हुआ जो बाद में एक टूर्नामेंट में हिस्सा लेने के बाद बढ़ गया। उन्होंने मोहाली स्थित घर से कहा, ''मैं इतनी हताश थी कि मैं अंक अर्जित करना चाहती थी और ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करना चाहती थी कि मैंने चोट के साथ (ब्रिटेन में) एक रेस में भाग लिया। यह शुरू में ग्रेड 1 हैमस्ट्रिंग टियर था लेकिन अब यह ग्रेड 2बी है, मतलब यह करीब ग्रेड 3 है। '' उन्होंने कहा, ''मैं एक और स्कैन करवाऊंगी और फिर सर्जरी के बारे में फैसला करूंगी। किसी भी स्थिति में मैं अगले नौ महीनों तक प्रतियोगिता के लिए शुरुआत नहीं कर पाऊंगी। इसलिए मैं लंबे समय तक प्रतिस्पर्धा शुरू नहीं कर पाऊंगी।''

सुविचार

गुज़र जायेगा ये दौर भी ज़रा सब्र तो रख, जब खुशियाँ ही न रुकी तो ग़म की क्या औकात है!

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बदलाव लाएं, सक्षम बनें

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बड़ी ई-कॉमर्स कंपनियों से प्रतिस्पर्धा का सामना कर रहे 10 करोड़ छोटे खुदरा विक्रेताओं के लिए आवाज उठाकर उनके हितों से जुड़े मुद्दे को रेखांकित किया है। ये विक्रेता देश की अर्थव्यवस्था में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इनके पास इतने संसाधन नहीं होते कि ये बड़ी कंपनियों को टक्कर देते हुए अपने प्रचार-प्रसार पर अरबों रुपए खर्च कर सकें। गांव-ढाणियों तक रोजगार के अवसरों का सृजन करने वाले इन विक्रेताओं की रोजी-रोटी पर ग्रहण लगेगा तो देश में बेरोजगारी फैलेगी। इससे कई समस्याएं पैदा हो सकती हैं। बड़ी ई-कॉमर्स कंपनियों का बाजार में प्रभुत्व रातोंरात नहीं बढ़ा है और न ही दुकानदारों के सामने यह स्थिति अचानक पैदा हुई है। पिछले दशक के मध्य में जब इंटरनेट सेवाओं का तेजी से विस्तार हो रहा था, ऑनलाइन खरीदारी में लोगों का रुझान बढ़ रहा था, तब छोटे खुदरा विक्रेताओं को संगठित होकर कुछ ठोस कदम उठाने चाहिए थे। उससे थोड़ा पहले, जब कुछ ही लोग मोबाइल फोन पर इंटरनेट सेवाओं का इस्तेमाल करते थे और कभी-कभार ऑनलाइन खरीदारी कर लेते थे, तब बहुत लोग (जिनमें कई दुकानदार भी शामिल हैं) कहते थे कि 'ऑनलाइन शॉपिंग' अमेरिका जैसे देशों में तो ठीक है, लेकिन यह भारत में नहीं चल सकती! क्यों नहीं चल सकती? यहां आम लोगों के पास इंटरनेट सुविधा नहीं है, ऑनलाइन पेमेंट करने के लिए बैंक खाता नहीं है! और तो और, आधा किलो टिंडे और पाव भिंडी के लिए भी बहुत मोल-भाव करने के बाद उन्हें छांट-छांटकर टोकरी में रखने वाली तथा मुफ्त का धनिया लेने वाली जनता मोबाइल फोन पर चीजें देखकर कैसे विश्वास करेगी? वहां मोल-भाव कहां? भारत में तो वही चलता रहेगा, जो अब तक चलता आया है। हमने दुकानदारी ही की है! हमें कौन हिला सकता है?

साल 2024 में हम देख सकते हैं कि ई-कॉमर्स कंपनियों ने इन सभी धारणाओं को गलत साबित कर दिया। अब लोगों के पास बेहतर मोबाइल फोन हैं, इंटरनेट सुविधा है, ऑनलाइन पेमेंट करने के लिए कई विकल्प हैं, वे ऑनलाइन खरीदारी भी कर रहे हैं। खासकर त्योहारी सीजन में तो इन कंपनियों का काम इतना बढ़ जाता है कि अतिरिक्त कर्मचारी रखने पड़ते हैं। वहीं, कई बड़ी दुकानों और शॉपिंग मॉल के मालिक भी यह स्वीकार कर चुके हैं कि 'ऑनलाइन शॉपिंग' के कारण उनके कारोबार पर असर पड़ा है। उत्तर-पूर्व के एक राज्य में अपना मॉल चलाने वाले एक कारोबारी कहते हैं कि 'पहले क्रिसमस और नए साल पर खूब बिक्री होती थी। लोग मोबाइल फोन, इलेक्ट्रॉनिक सामान, तोहफे, कार्ड वगैरह खरीदने में ज्यादा दिलचस्पी रखते थे। जब से ऑनलाइन शॉपिंग का ज़माना आया है, बिक्री घटती जा रही है। किसी तरह कर्मचारियों की तनख्वाह और बिजली-पानी का खर्च ही निकल रहा है।' यही कहानी कुछ और शब्दों में कई लोगों से सुनने को मिल जाएगी कि 'कुछ साल पहले धंधा ठीक था, अब वैसी कमाई नहीं रही, खर्चे बढ़ते जा रहे हैं। कोरोना ने भी बहुत नुकसान पहुंचाया।' तो क्या किया जाए? इस बात से कोई इन्कार नहीं कर सकता कि सबके जीवन पर इंटरनेट का प्रभाव बढ़ा है। इसमें जैसे-जैसे नई तकनीक आएगी, यह और बढ़ेगा। निकट भविष्य में 'ऑनलाइन शॉपिंग' कम नहीं होगी, बल्कि दूर-दराज के इलाकों तक इसका विस्तार होगा। इसलिए हर दुकानदार, चाहे उसकी आमदनी हजारों रु. में हो या लाखों रु. में, ऑनलाइन बिक्री के तौर-तरीकों पर विचार करे। जहां तक संभव हो, अपना सामान ऑनलाइन बेचने की संभावना तलाशे। यह कोई बहुत मुश्किल काम नहीं है। अगर अपनी वेबसाइट बनवा लें तो बेहतर, अन्यथा फोन/वॉट्सऐप पर ही ऑर्डर लेकर ग्राहक के घर तक सामान पहुंचाएं। कीमतों की सूची तैयार कर ग्राहकों को ऑनलाइन उपलब्ध कराएं। उसमें सरलता का ध्यान रखें। बड़ी कंपनियों द्वारा ली जा रहीं कीमतों का तुलनात्मक अध्ययन करते हुए अपने सामान की कीमत थोड़ी कम रखें। सेवाओं में गुणवत्ता और व्यवहार में विनम्रता लाएं। आपकी सबसे बड़ी ताकत यह है कि अपने ग्राहकों को विदेश में बैठे उन अरबपतियों से बेहतर जानते हैं, जो बड़ी ई-कॉमर्स कंपनियां चला रहे हैं। आप अपने शहर, मोहल्ले के निवासियों की पसंद-नापसंद को ज्यादा जानते हैं। अपने कौशल व अनुभव के साथ तकनीक के नए तौर-तरीके जोड़ें और समय के साथ बदलाव करते रहें। अगर इतना कर लेंगे तो अपने हितों की रक्षा करने में खुद ही सक्षम हो जाएंगे।

ट्वीटर टॉक

संसदीय क्षेत्र कोटा स्थित कार्यालय में आमजन से भेंट कर उनकी समस्याओं को सुना और अधिकारियों को समस्याओं के निराकरण के निर्देश दिए। इस दौरान कुछ नन्हें दोस्तों से भी मिलने का अवसर मिला। बच्चों का उत्साह और उनका जिज्ञासु मन हमेशा दिल को छू लेता है।

-ओम बिरला

'सेवा भारती समिति राजस्थान' द्वारा आयोजित 'सोनोग्राफी मशीन लोकार्पण' और 'सेवा सरोज सुरभि विशेषांक विमोचन' कार्यक्रम में शामिल होकर इस प्रशंसनीय पहल की सराहना की। यह स्वास्थ्य सुविधाओं को और सशक्त बनाएगी।

-दीया कुमारी

सीपीआईएम के वरिष्ठ नेता सीताराम येचुरी के निधन का समाचार बेहद दुखद है। सीताराम येचुरी अपनी विचारधारा के प्रति बेहद कर्मठ एवं निष्ठावान थे। येचुरी को देश-विदेश के राजनीतिक मुद्दों की गहरी समझ थी। उनका जाना भारतीय राजनीति के लिए एक बड़ा नुकसान है।

-अशोक गहलोत

प्रेरक प्रसंग

अहंकार मुक्ति से सुख

एक बार अल्बर्ट आइंस्टाइन जीवन का सूत्र समझाते हुए बता रहे थे कि आप अपने अहंकार को कूड़ेदान में फेंक कर बिल्कुल ही बच्चे बन जाइए। आपकी रंगत लौट आएगी। आप पेन बनकर जिद्दी नहीं बनें। एक 'पेन' गलती कर सकता है। लेकिन एक 'पेन्सिल' गलती करके भी सीना चौड़ा करके खड़ी रह सकती है, क्योंकि उसके साथ गलती मिटाने को उसका दोस्त 'रबड़' जो होता है। चर्चा के दौरान एक युवक ने पूछा कि महोदय इंसान कितना भी अमीर क्यों न हो जाए, तकलीफ बेच नहीं सकता, सुकून खरीद नहीं सकता। उत्तर में आइंस्टाइन ने कहा, 'यह एकदम दुरुस्त बात है। इसका उपाय यह है कि सुकून हमेशा आप और हम से ही मिलता है। 'मैं' इतना घातक है कि यह जीवन में किसी भी खुशी और आनंद को नहीं आने देता है।

सामयिक

राष्ट्र को एक सूत्र में जोड़ती है हिंदी भाषा

रमेश सर्राफ धमोरा

मोबाइल : 9414255034

किसी भी देश की भाषा और संस्कृति उस देश में लोगों को लोगों से जोड़े रखने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती है। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद से हिन्दी और देवनागरी के मानकीकरण की दिशा में अनेक क्षेत्रों में प्रयास हुये हैं। हिन्दी भारत की सम्पर्क भाषा भी हैं। अतः हम कह सकते है की हिन्दी एक समृद्ध भाषा हैं। भारत की राष्ट्रीय एकता को बनाये रखने में हिन्दी भाषा का बहुत बड़ा योगदान हैं। एक भाषा के रूप में हिंदी न सिर्फ भारत की पहचान है। बल्कि यह हमारे जीवन मूल्यों, संस्कृति एवं संस्कारों की सच्ची परिचायक भी है। बहुत सरल, सहज और सुगम भाषा होने के साथ हिंदी विश्व की संभवतः सबसे वैज्ञानिक भाषा है। जिसे दुनिया भर में समझने, बोलने और चाहने वाले लोग बहुत बड़ी संख्या में मौजूद हैं। भारतेन्दु हरिश्चंद्र को आधुनिक हिंदी का जनक कहा जाता है। जिन्होंने हिंदी, पंजाबी, बंगाली और मारवाड़ी सहित कई भाषाओं में अपना योगदान दिया था।

भारत की स्वतंत्रता के बाद 14 सितम्बर 1949 को संविधान सभा ने एक मत से यह निर्णय लिया कि हिन्दी की खड़ी बोली ही भारत की राजभाषा होगी। इस महत्वपूर्ण निर्णय के बाद 1953 से सम्पूर्ण भारत में 14 सितम्बर को प्रतिवर्ष हिन्दी-दिवस के रूप में मनाया जाते लगा है जो हिंदी भाषा के महत्व को दर्शाता है। पिछले 71 सालों से हम प्रतिवर्ष हिन्दी दिवस मनाते आ रहे हैं। इस वर्ष भी मनायेगें। यदि हम हिंदी भाषा के विकास की बात करें तो यह कहना गलत नहीं होगा कि पिछले सौ सालों में हिंदी का बहुत विकास हुआ है और दिन-प्रतिदिन इसमें और तेजी आ रही है। हिंदी भाषा का इतिहास लगभग एक हजार वर्ष पुराना माना गया है। संस्कृत भारत की सबसे प्राचीन भाषा है जिसे देवभाषा भी कहा जाता है। माना जाता है कि हिंदी का जन्म भी संस्कृत भाषा से हुआ है। भारत में धर्म, परंपराओं और भाषा में विविधता के बावजूद यहां के लोग एकता में विश्वास रखते हैं। भारत में विभिन्न भाषाएं बोली जाती हैं। लेकिन सबसे ज्यादा हिंदी भाषा बोली, लिखी व पढ़ी जाती है। इसीलिए हिंदी भारत की सबसे प्रमुख भाषा है।

अंग्रेजी व चीनी भाषा मंदारिन के बाद हिन्दी विश्व में सबसे अधिक बोली जाने वाली तीसरी सबसे बड़ी भाषा है। नेपाल, पाकिस्तान की तो अधिकांश आबादी को हिंदी बोलना, लिखना, पढना आता है। बांग्लादेश, भूटान, तिब्बत, म्यांमार, अफगानिस्तान में भी लाखों लोग हिंदी बोलते और समझते हैं। फिजी, सुरिनाम, गुयाना, त्रिनिदाद जैसे देश की सरकारे तो हिंदी भाषियों द्वारा ही चलायी जा रही हैं। पूरी दुनिया में हिंदी भाषियों की संख्या करीबन एक सौ करोड़ से अधिक है। हिन्दी उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, उत्तराखण्ड, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, और दिल्ली राज्यों की राजभाषा भी है। राजभाषा बनने के बाद हिन्दी ने विभिन्न राज्यों के कामकाज में लोगों से सम्पर्क स्थापित करनें का अभिनव कार्य किया है। लेकिन विश्व भाषा बनने के लिए हिन्दी को अब भी संयुक्त राष्ट्र के कुल सदस्यों के दो तिहाई देशों के समर्थन की आवश्यकता है। भारत सरकार इस दिशा में तेजी से कार्य कर रही है। हम संभावनाएं जता सकते हैं कि शीघ्र ही हिन्दी को संयुक्त राष्ट्र संघ की आधिकारिक भाषा में शामिल कर लिया जायेगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपनी विदेश यात्रा के दौरान अधिकतर अपना सम्बोधन हिन्दी भाषा में ही देते हैं। जिससे हिन्दी भाषा का महत्व विदेशी धरती पर भी बढ़ने लगा है।

हिन्दी के ज्यादातर शब्द संस्कृत, अरबी और फारसी भाषा से लिए गए हैं। यह मुख्य रूप से आर्यों और पारसियों की देन है। इस कारण हिन्दी अपने आप में एक समर्थ भाषा है। जहां अंग्रेजी में मात्र 10 हजार मूल शब्द हैं। वहीं हिन्दी के मूल शब्दों की संख्या 2 लाख 50 हजार से भी अधिक है। हिन्दी विश्व की एक प्राचीन,समृद्ध तथा महान भाषा होने के साथ हमारी राजभाषा भी है। भारत

की मातृ भाषा हिन्दी को सम्मान देने के लिये प्रति वर्ष हिंदी दिवस मनाया जाता है। हिन्दी ने भाषा, व्याकरण, साहित्य, कला, संगीत के सभी माध्यमों में अपनी उपयोगिता, प्रासंगिकता एवं वर्चस्व कायम किया है। हिन्दी की यह स्थिति हिन्दी भाषियों और हिन्दी समाज की देन है। लेकिन हिन्दी भाषा समाज का एक तबका हिन्दी की दुर्गति के लिए भी जिम्मेदार है। अंग्रेजी बोलने वाला ज्यादा ज्ञानी और बुद्धिजीवी होता है। यह धारणा हिन्दी भाषियों में हीन भावना लाती है। जिंदगी में सफलता पाने के लिये हर कोई अंग्रेजी भाषा को बोलना और सीखना चाहता है। हिन्दी भाषी लोगों को इस हीन भावना से उबरना होगा, क्योंकि मौलिक विचार मातृभाषा में ही आते हैं। शिक्षा का माध्यम भी मातृभाषा होनी चाहिए। शिक्षा विचार करना सिखाती है और मौलिक विचार उसी भाषा में हो सकता है जिस भाषा में आदमी जीता है। हमें अहसास होना चाहिये कि हिन्दी दुनिया की किसी भी भाषा से कमजोर नहीं है।

बीसवीं सदी के अंतिम दो दशकों में हिन्दी का अन्तरराष्ट्रीय विकास बहुत तेजी से हुआ है। विश्व के लगभग 150 विश्वविद्यालयों तथा सैंकड़ों छोटे-बड़े केन्द्रों में विश्वविद्यालय स्तर से लेकर शोध के स्तर तक हिन्दी के अध्ययन-अध्यापन की व्यवस्था हुई है। विदेशों से हिन्दी में दर्जनों पत्र-पत्रिकाएं नियमित रूप से प्रकाशित हो रही हैं। हिन्दी भाषा और इसमें निहित भारत की सांस्कृतिक धरोहर सुदृढ और समृद्ध है। इसके विकास की गति बहुत तेज है। आदिकाल से अब तक हिन्दी के आचार्यों, सन्तों, कवियों, विद्वानों, लेखकों एवं हिन्दी-प्रेमियों ने अपने ग्रन्थों, रचनाओं से हिन्दी को समृध्द किया है। परन्तु हमारा भी कर्तव्य है कि हम अपने विचारों, भावों एवं मतों को विविध विधाओं के माध्यम से हिन्दी में अभिव्यक्त करें एवं इसकी समृध्दि में अपना योगदान दें। कोई भी भाषा तब और भी समृध्द मानी जाती है जब उसका साहित्य भी समृध्द हो।

हिंदी भाषा एक दूसरे के साथ बातचीत करने के लिए बहुत आसान और सरल माध्यम प्रदान करती है। यह प्रेम, मिलन और सौहार्द की भाषा है। हिन्दी विविध भारत को एकता के सूत्र में पिरोने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। लेकिन यह कैसी विडम्बना है कि जिस भाषा को कश्मीर से कन्याकुमारी तक सारे भारत में समझा जाता हो। उस भाषा के प्रति आज भी इतनी उपेक्षा व अवज्ञा क्यों ? प्रत्येक वर्ग का व्यक्ति हिन्दी भाषा को आसानी से बोल-समझ लेता है। इसलिए इसे सामान्य जनता की भाषा अर्थात जनभाषा कहा गया है। देश में तकनीकी और आर्थिक समृद्धि के एक साथ विकास के कारण हिन्दी ने कहीं ना कहीं अपना महत्ता खो दी है। आज हिन्दी भाषा में अंग्रेजी शब्दों का प्रचलन तेजी से बढ़ने लगा है। बहुत से बड़े समाचार पत्रों में भी अंग्रेजी मिश्रित हिन्दी का उपयोग किया जाने लगा है। जो हिन्दी भाषा के लिये शुभ संकेत नहीं हैं। रही सही कसर सोशल मीडिया ने पूरी कर दी है। जहां सॉफ्टवेयर की मदद से रूपांतर कर अंग्रेजी से हिन्दी भाषा बनायी जाती है। जिसमें ना मात्रा का ख्याल रहता है और ना ही शुद्ध वर्तनी का। वर्तमान समय में हिन्दी भाषा के समाचार पत्र व पत्रिकायें धड़ाधड़ बंद हो रहें हैं।

हिन्दी दिवस के अवसर पर हमें यह संकल्प लेना चाहिये की हम पूरे मनोयोग से हिन्दी भाषा के प्रचार-प्रसार में अपना निस्वार्थ सहयोग प्रदान कर हिन्दी भाषा के बल पर भारत को फिर से विश्व गुरु बनवाने का सकारात्मक प्रयास करेंगें। अब तो कम्प्यूटर पर भी हिन्दी भाषा में सब काम होने लगे हैं। कम्प्यूटर पर हिन्दी भाषा के अनेको सॉफ्टवेयर मौजूद हैं जिनकी सहायता से हम आसानी से कार्य कर सकते हैं।

विशेष

शिक्षा और रोजगार की भाषा हिंदी को बनाएं

बाल मुकुन्द ओझा

मोबाइल : 9414441218

हम हर साल 14 सितम्बर को हिंदी दिवस मनाएंगे और इसे जन जन की भाषा बता कर गुणगान करेंगे। हम हिंदी दिवस जरूर मनाएं मगर वास्तविकता से मुहं नहीं मोड़े। हिंदी की सच्चाई जाने, उस पर मंथन करें ताकि जमीनी हकीकत से रुबरू हो सके। महात्मा गाँधी ने भारत में हिंदी को जनभाषा बताया था। राष्ट्रभाषा बनाने की पहल भी की थी। आजादी के बाद राजभाषा का दर्जा भी मिला। यह सही है कि हिंदी भारत में सबसे ज्यादा बोले जाने वाली भाषा है मगर अंग्रेजी के मुकाबले यह भाषा आज दोयम दर्जे से ऊपर नहीं उठ पाई है। जब तक हमारे देश में विज्ञान और तकनीकी, इंजीनियरिंग, मेडिकल आदि की पढ़ाई मातृभाषा में नहीं होंगी, तब तक हिंदी को वह सम्मान नहीं मिलेगा, जिसकी वह वास्तविक हकदार है। इस सच्चाई से इंकार नहीं किया जासकता है कि हिंदी की अपेक्षा अंग्रेजी भाषा का प्रभुत्व आज भी कायम है। शिक्षा और रोजगार की बात करें तो अंग्रेजी के आगे हिंदी कहीं भी नहीं ठहरती। हमारी शिक्षा की बुनियाद अंग्रेजी पर टिकी है। हिंदी पढ़ने वालों को हिकारत की नजर से देखा जाता है। आजादी के 76 वर्षों बाद भी जनमानस की धारणा यह है कि हिंदी वाला चपरासी या बाबू बनेगा और अंग्रेजी जानने वाला अफसर। लाख कोशिशों के बाद भी इस सच्चाई से हम मुंह नहीं मोड़ सकते।

आजादी के बाद देश में हिंदी के विकास के लिए 14 सितम्बर 1949 को हिंदी को राजभाषा का दर्जा दिया गया। यह दिन देश में हिंदी को बढ़ावा देने के लिए मनाया जाता है। हिंदी दिवस पर हमें यह संकल्प लेना चाहिए हम अपनी अपनी निज भाषा के साथ हिंदी को स्वीकार करे और देश को प्रगति पथ और एक सूत्र में पिरोने के लिए अपने स्वार्थ त्यागे और देश के प्रति अपनी अगाध श्रद्धा का परिचय दें। आज अपने ही देश में हिंदी हिन्दू और हिंदुस्तान पर हमला हो रहा है जिसका देशवासियों को मिलजुलकर मुकाबला करना होगा। हिंदी दुनिया में चौथी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है। दुनिया भर में लगभग 70 से 80 करोड़ लोग हिंदी बोलते हैं, और 77 प्रतिशत भारतीय हिंदी लिखते, पढ़ते, बोलते और समझते हैं। भारत के अलावा, नेपाल, मॉरीशस, फिजी, सूरीनाम, युगांडा, पाकिस्तान, बांग्लादेश, दक्षिण अफ्रीका और कनाडा जैसे सभी देशों में हिंदी बोलने वालों की एक बड़ी तादाद है। इसके बावजूद हिंदी को वह मान, सम्मान और प्रतिष्ठा नहीं मिली जिसकी वह अधिकारी है। यह भी कहा जाता है हिंदी भाषियों ने पढ़ लिखकर हिंदी के विकास में रोड़ा लगाया। हिंदी भाषी होते हुए भी इस वर्ग ने शूट- बूट धारण कर अपनी मातृ भाषा को ठिकाने लगाया। हिंदी अपने ही देश में आज पिछड़ी है तो इसका सबसे बड़ा कारण और दोषी कोई दूसरे नहीं अपितु अपने भाई बंधु है।

आजादी के 76 साल बाद भी विश्व में हिंदी का डंका बजाने वाले 140 करोड़ की आबादी वाले भारत में आज भी एक दर्जन ऐसे राज्य है जिनमें हिंदी नहीं बोली जाती। वहां संपर्क और कामकाज की भाषा का दर्जा भी नहीं है इस भाषा को। आश्चर्य तो तब होता है जब हम अंग्रेजी सीख पढ़ लेते है मगर हिंदी का नाम लेना पसंद नहीं करते। हिंदी भाषी स्वयं अपनी भाषा से लगाव नहीं रखते जहाँ जरुरत नहीं है वहां भी अंग्रेजी का उपयोग करने में नहीं हिचकते। देशवासियों को विचार करना चाहिए कि जिस भाषा को राजभाषा के रूप में स्वीकार किया गया है और जो जन जन की मातृभाषा है, उसी के बोलने वाले उसे इतनी हिकारत की निगाह से क्यों देखते हैं । हिंदी की इस दुर्दशा के लिए आखिर कौन जिम्मेदार है इस पर गहनता से चिंतन और मनन की महती जरूरत है। हिंदी भाषी राज्यों की हालत यह है कि वहां शत प्रतिशत लोग हिंदी भाषी है मगर प्रदेश के बाहर से आए चंद अधिकारियों ने अपना कामकाज अंग्रेजी में कर मातृभाषा को दोयम दर्जे की बना रखा है। हम दूसरों को दोष अवश्य देते हैं मगर कभी अपने गिरेबान में झांककर नहीं देखते। सच तो यह है की जितने दूसरे दोषी है उससे कम हम भी नहीं है। हिन्दी हमारी मातृ भाषा है और हमें इसका आदर और सम्मान करना चाहिये।

दक्षिण के प्रदेश अपनी निज बोली या भाषा को अपनाये इसमें किसी को आपत्ति नहीं है मगर राष्ट्रभाषा के स्थान पर अंग्रेजी को अपनाये यह हमे किसी भी हालत में स्वीकार नहीं है। वे तमिल ,कनड या बंगला को अपनाये हमे खुशी होगी मगर हिंदी के स्थान पर अंग्रेजी थोपे तो यह बर्दाश्त नहीं होगा। आज आवश्यकता इस बात की है की हम देश की मातृ और जन भाषा के रूप में हिंदी को अंगीकार करे। मातृ भाषा की सार्थकता इसी में है कि हम अपनी क्षेत्रीय भाषाओँ की अस्मिता को स्वीकार करने के साथ हिंदी को व्यापक स्वरुप प्रदान कर देश को एक नई पहचान दें। यह देश की सबसे बड़ी सेवा होगी।

नजरिया

सोशल मीडिया पर बढ़ता हिंदी का जादू

प्रीति अभिषेक

आज के डिजिटल युग में सोशल मीडिया ने संचार के तरीकों को पूरी तरह से बदल दिया है। अब यह केवल एक मंच नहीं रह गया है जहाँ लोग अपने विचार साझा करते हैं, बल्कि यह एक ऐसी जगह बन गई है जहाँ भाषाएँ और संस्कृतियाँ फल-फूल रही हैं। खासकर हिंदी भाषा का प्रभाव सोशल मीडिया पर तेजी से बढ़ रहा है। हिंदी के पल्लवित पुष्पित होने के कई आयाम है। हिंदी भाषा का सोशल मीडिया पर बढ़ता प्रभाव सबसे पहले उपयोगकर्ताओं की बढ़ती संख्या के कारण है। भारत में इंटरनेट और स्मार्टफोन की पहुँच बढ़ने के साथ-साथ, ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों से हिंदीभाषी उपयोगकर्ताओं की संख्या में भी भारी इजाफा हुआ है। ये नए उपयोगकर्ता हिंदी को प्राथमिक भाषा के रूप में इस्तेमाल करते हैं, जिससे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को भी हिंदी भाषा में सामग्री उपलब्ध कराने के लिए प्रेरित किया गया है। फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम, और यूट्यूब जैसे प्लेटफॉर्म्स ने हिंदी भाषा को बढ़ावा देने के लिए अनेक प्रयास किए हैं।

हिंदी भाषा का जादू सोशल मीडिया पर इसलिए भी बढ़ रहा है क्योंकि यह लोगों को एक-दूसरे से सांस्कृतिक और सामाजिक रूप से जोड़ता है। हिंदी में सामग्री न केवल स्थानीय मुद्दों और खबरों को उजागर करती है, बल्कि भारतीय संस्कृति, त्योहारों, और रीति-रिवाजों को भी बढ़ावा देती है। इससे हिंदी भाषी उपयोगकर्ताओं को अपनी सांस्कृतिक पहचान बनाए रखने में मदद मिलती है। उदाहरण के लिए, ट्विटर पर हिंदी हैशटैग्स और हिंदी में लिखे गए पोस्ट्स के जरिए लोग अपने विचार और भावनाएँ सहजता से व्यक्त कर पाते हैं। सोशल मीडिया पर हिंदी का बढ़ता प्रभाव व्यवसायों और मार्केटिंग रणनीतियों में भी देखा जा सकता है। कंपनियाँ अब अपने उत्पादों और सेवाओं को प्रचारित करने के लिए हिंदी में विज्ञापन बना रही हैं और हिंदी में कंटेंट क्रिएट कर रही हैं। यह बदलाव इसलिए आया है क्योंकि कंपनियाँ समझ चुकी हैं कि अगर उन्हें भारत के विशाल हिंदीभाषी बाजार तक पहुँचना है, तो उन्हें अपनी मार्केटिंग सामग्री हिंदी में उपलब्ध करानी होगी। इसके अलावा, हिंदी में प्रभावशाली व्यक्ति (इंफ्लुएंसर्स) और कंटेंट क्रिएटर्स की संख्या में भी वृद्धि हुई है, जो अपने अनुयायियों को हिंदी में संवाद करते हैं और उनके साथ गहरे जुड़ाव बनाते हैं।

तकनीकी विकास ने भी हिंदी भाषा के प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स ने अब हिंदी में टाइप करना, पोस्ट करना और यहां तक कि वॉइस कमांड्स का उपयोग करना आसान बना दिया है। गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, और अन्य बड़ी टेक कंपनियाँ हिंदी में वॉइस सर्च, ट्रांसक्रिप्शन, और अनुवाद की सुविधाएँ उपलब्ध करा रही हैं, जिससे हिंदी का उपयोग और भी सहज हो गया है। हिंदी भाषा का बढ़ता जादू केवल संचार तक ही सीमित नहीं है, बल्कि साहित्य और रचनात्मक अभिव्यक्ति के क्षेत्र में भी देखा जा सकता है। सोशल मीडिया पर हिंदी कविताएँ, कहानियाँ, और लेखन के अन्य रूप व्यापक रूप से साझा किए जा रहे हैं। यह रचनात्मकता हिंदी के प्रति एक नया आकर्षण पैदा कर रही है, जो नई पीढ़ी को भी हिंदी भाषा के प्रति जागरूक और प्रेरित कर रही है।

सोशल मीडिया पर हिंदी का जादू कई कारकों के संयोजन का परिणाम है। यह न केवल हिंदी भाषी समुदायों के लिए एक मजबूत आवाज बनकर उभरी है, बल्कि यह भी साबित किया है कि हिंदी में भी वैश्विक स्तर पर संवाद करने की क्षमता है। तकनीकी विकास, सांस्कृतिक पुनरुत्थान, और बाजार की जरूरतों ने मिलकर हिंदी को एक नई ऊँचाई पर पहुँचाया है, जहाँ से इसके प्रसार की कोई सीमा नहीं है। यह न केवल भाषा के रूप में बल्कि एक सांस्कृतिक पहचान के रूप में भी अपनी जगह बना रही है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

राहुल गांधी ने अमेरिका में अपने 'मूर्खतापूर्ण बयानों' से 'देशद्रोह' किया: भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बृहस्पतिवार को राहुल गांधी के खिलाफ हमला तेज करते हुए कहा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता ने अमेरिका में 'अपने मूर्खतापूर्ण बयानों' से 'देशद्रोह' किया है।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने यहां पार्टी मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन में पत्रकारों के सवालों के जवाब में कहा, ''उन्होंने (राहुल ने) अमेरिका में भारत की जिस तरह की छवि पेश की है, उससे पूरा देश आहत हुआ है। राहुल गांधी ने अमेरिका में देशद्रोह किया है।''

पात्रा ने कहा कि विपक्ष का नेता होने का राहुल का 'अहंकार' संसद में झलकता है और उनकी 'मूर्खता' अमेरिका में। उन्होंने कहा, ''जब जाति को जाति के खिलाफ खड़ा किया जाता है, धर्म को धर्म के खिलाफ खड़ा किया जाता है और विदेश में सिखों के बारे में कड़ी टिप्पणियां की जाती हैं तो इसे राष्ट्रद्रोह कहा जाता है।''

पात्रा ने कहा कि जो लोग नहीं जानते कि विदेशी सरजमीं पर भारत को सही परिप्रेक्ष्य में कैसे पेश किया जाए और जो लगातार 'हमारी मातृभूमि' की अवहेलना करने का प्रयास करते हैं, उन्हें गंभीरता से नहीं लेना चाहिए। उन्होंने राहुल गांधी का परोक्ष जिक्र करते हुए कहा, ''हर कोई जानता है कि 'पनौती' कौन है? 'पप्पू' और 'पनौती' साथ-साथ चलते हैं। पप्पू ने जो भी छुआ है, उसे विनाश का सामना करना पड़ा है... वह कांग्रेस के लिए सबसे बड़ी 'पनौती' हैं।''

'पनौती' शब्द का इस्तेमाल आम तौर पर उस व्यक्ति के लिए किया जाता है जो अपने आस-पास के लोगों के लिए दुर्भाग्य या बुरी खबर लाता है।

पात्रा ने कहा कि राहुल गांधी के कांग्रेस में पद संभालने के बाद से पार्टी को चुनावों में लगातार हार का सामना करना पड़ा है। उन्होंने कहा, ''लिख कर ले लीजिए, कांग्रेस तब तक नहीं उठेगी जब तक वह (राहुल गांधी) हैं। रॉकेट लॉन्च नहीं होगा क्योंकि इसमें कोई ईंधन नहीं है।''

पात्रा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस का एकमात्र उद्देश्य राहुल गांधी को किसी भी कीमत पर प्रधानमंत्री बनाना है। उन्होंने आरोप लगाया कि इसके लिए वे देश को बांटने तक और लोगों को एक दूसरे से लड़ाने के लिए तैयार हैं।

नेतन्याहू ने शांति के बजाय युद्ध को क्यों चुना?

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सिडनी। विरोध प्रदर्शन जैसे-जैसे बढ़ रहे हैं बेंजामिन नेतन्याहू सत्ता पर काबिज होने की कोशिश कर रहे हैं और यह नुकसान की परवाह किए बिना अपने राजनीतिक और कानूनी भविष्य को आकार देने की एक चाल प्रतीत होती है। युद्ध से थके और क्रोधित हजारों इजराइली सप्ताह दर सप्ताह सड़कों पर उतर रहे हैं और प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से समझौता करने तथा सात अक्टूबर को हमास के हमले के बाद बंधक बनाए गए बंधकों (बचे हुए) को वापस लाने की मांग कर रहे हैं। उनकी मांगों पर कोई जवाब नहीं मिला है। इन विशाल सार्वजनिक प्रदर्शनों में 18 महीनों में सबसे बड़ी राष्ट्रव्यापी हड़ताल भी शामिल है। हमास के साथ किसी भी समझौते के लिए नई शर्तें तथा युद्ध को दूसरे वर्ष में भी जारी रखने की प्रतिबद्धताएं सामने आई हैं। 750,000 से अधिक प्रदर्शनकारियों द्वारा इस्तीफे और युद्ध की समाप्ति की मांग के बावजूद भविष्य के लिए नेतन्याहू की एकमात्र योजना सत्ता पर काबिज रहना और हमास के खिलाफ लड़ाई जारी रखना ही प्रतीत होती है।

प्रदर्शनकारियों की मुख्य मांग यह है कि नेतन्याहू, हमास के साथ युद्ध विराम पर हस्ताक्षर करें जिससे सात अक्टूबर 2023 के हमलों के बाद से बंदी बनाए गए शेष इजराइली नागरिकों की रिहाई हो सके। बढ़ते सार्वजनिक असंतोष के बावजूद नेतन्याहू ने किसी भी युद्धविराम समझौते पर हस्ताक्षर करने से इनकार कर दिया है तथा किसी भी संभावित समझौते में नई शर्तें जोड़ना जारी रखा है। नवीनतम विवाद इजरायल की इस जिद पर है कि वह फिलाडेल्फी कॉरिडोर में अपनी स्थायी सैन्य उपस्थिति बनाए रखे। फिलाडेल्फी कॉरिडोर गाजा पट्टी और मिस्र के बीच की सीमा पर स्थित भूमि की एक पट्टी है।

हमास ऐसी किसी भी शर्त को मानने से इनकार करता है तथा मांग करता है कि सभी इजराइली सैनिकों को गाजा पट्टी खाली कर देनी चाहिए। मिस्र ने भी अपनी सीमा पर इजराइली सैनिकों की तैनाती की संभावना पर चिंता व्यक्त की है। नेतन्याहू पर जनता के दबाव के अलावा उनके सत्तारूढ़ गठबंधन के अंदर और बाहर से भी राजनीतिक दबाव बढ़ रहा है।नेतन्याहू के राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी उन पर इजराइली जनता से झूठ बोलने और बंधकों को वापस लाने के किसी भी समझौते से पहले अपने राजनीतिक अस्तित्व को प्राथमिकता देने का आरोप लगा रहे हैं। उनके गठबंधन के अंदर हमास का नामोनिशान मिटाने तक युद्ध जारी रखने का दबाव अधिक है। नेतन्याहू की मौजूदा दुविधा की जड़ में 2016 में लगे भ्रष्टाचार के कई आरोप हैं। इसके बाद पुलिस जांच में नेतन्याहू पर 2019 में विश्वासघात, रिश्वत लेने और धोखाधड़ी के आरोप लगाए गए।

आरोप सार्वजनिक होने के बाद से नेतन्याहू ने अदालत के सामने आने, दोषी ठहराए जाने और जेल की सजा से बचने के लिए विभिन्न राजनीतिक चालें चलीं।

इजराइल में सिर्फ एक संसदीय सदन है इसलिए उच्चतम न्यायालय, नेसेट की शक्ति पर नियंत्रण और संतुलन का काम करता है। सरकार की मंशा यह सुनिश्चित करना है कि जजों की नियुक्ति करने वाली समिति में हमेशा उसका बहुमत बना रहे। यह बात कई इजराइलियों के लिए विशेष चिंता का विषय थी।

विरोधियों को डर था कि इन सुधारों से नेतन्याहू को उच्चतम न्यायालय में उनसे सहानुभूति रखने वाले न्यायाधीशों को नियुक्त करने की शक्ति मिल जाएगी और संभवतः इससे अभियोजन से छूट मिल जाएगी। राष्ट्रवादियों के लिए, प्रस्तावित सुधार इजराइली बस्तियों के विस्तार और पश्चिमी तट में फलस्तीनी भूमि के विनियोग (किसी चीज को बिना अनुमति के लेने की क्रिया) पर उच्चतम न्यायालय द्वारा लगाए गए कई संस्थागत नियंत्रणों और संतुलनों को हटा देंगे, कुछ ऐसा जो इजराइली राष्ट्रवादी वर्षों से चाहते थे। यदि यह सफल रहा तो इसका अर्थ यह होगा कि पश्चिमी तट और पूर्वी यरुशलम पर इजराइल का 57 वर्षों से चला आ रहा कब्जा स्थायी हो जाएगा।

सीताराम येचुरी : छात्र-कार्यकर्ता से लेकर उदार वामपंथी राजनीति तक का सफर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के पांचवें महासचिव सीताराम येचुरी देश में वामपंथ के सर्वाधिक पहचाने जाने वाले चेहरों में से एक थे और वह एक ऐसे उदार वामपंथी नेता थे जिनके मित्र सभी राजनीतिक दलों में थे। येचुरी का 72 वर्ष की आयु में बृहस्पतिवार को यहां अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में निधन हो गया। येचुरी को 19 अगस्त को एम्स में भर्ती कराया गया था। येचुरी ने पार्टी के दिवंगत नेता हरकिशन सिंह सुरजीत के मार्गदर्शन में काम सीखा, जो 1989 में गठित वी.पी. सिंह की राष्ट्रीय मोर्चा सरकार और 1996-97 की संयुक्त मोर्चा सरकार के दौरान गठबंधन युग में एक प्रमुख नेता थे। इन दोनों ही सरकारों को माकपा ने बाहर से समर्थन दिया था। संयुक्त मोर्चा सरकार के लिए साझा न्यूनतम कार्यक्रम का मसौदा तैयार करने में येचुरी ने कांग्रेस नेता पी चिदंबरम के साथ काम किया था। सुरजीत के शिष्य ने गठबंधन बनाने की उनकी विरासत को जारी रखा और 2004 में वाम दलों के समर्थन से संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार के गठन में सक्रिय भूमिका निभाई।

येचुरी ने भारत-अमेरिका परमाणु समझौते के मुद्दे पर संप्रग सरकार के साथ चर्चा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। हालांकि, 2008 में वामपंथी दलों ने इस मुद्दे पर संप्रग-1 सरकार से अपना समर्थन वापस ले लिया था, जिसका मुख्य कारण उनके पूर्ववर्ती प्रकाश करात का अडिग रुख था। वर्ष 2015 में पार्टी महासचिव का पदभार संभालने के बाद 'पीटीआई-भाषा' को दिए एक साक्षात्कार में येचुरी ने कहा था कि उन्हें महंगाई जैसे मुद्दों पर समर्थन वापस ले लेना चाहिए था, क्योंकि 2009 के आम चुनाव में परमाणु समझौते के मुद्दे पर लोगों को संगठित नहीं किया जा सका।

येचुरी विभिन्न मुद्दों पर राज्यसभा में अपने सशक्त और स्पष्ट भाषणों के लिए जाने जाते थे। वह बहुभाषी थे और हिंदी, तेलुगु, तमिल, बांग्ला तथा मलयालम भी बोल सकते थे। वह हिंदू पौराणिक कथाओं के भी अच्छे जानकार थे और अक्सर अपने भाषणों में खासकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर हमला करने के लिए उन संदर्भों का इस्तेमाल करते थे।

वह नरेन्द्र मोदी सरकार और इसकी उदार आर्थिक नीतियों के सबसे मुखर आलोचकों में से एक रहे। वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव से पहले 2018 में माकपा की केंद्रीय समिति ने कांग्रेस के साथ किसी भी तरह के गठबंधन के प्रस्ताव को खारिज कर दिया था, यहां तक कि पार्टी के महासचिव येचुरी ने इस्तीफे की पेशकश भी की थी।

हालांकि, 2024 के आम चुनाव के दौरान, जब एकजुट विपक्ष के लिए बातचीत शुरू हुई और विपक्षी दल एक साथ मिलकर 'इंडिया' गठबंधन बनाने लगे, तो माकपा इसका एक हिस्सा थी और येचुरी गठबंधन के प्रमुख चेहरों में से एक रहे। राजनीति में उनका सफर 'स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया' (एसएफआई) से शुरू हुआ था, जिसमें वह 1974 में शामिल हुए और अगले ही साल पार्टी के सदस्य बन गए।

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया अस्पताल में भर्ती

ढाका/भाषा। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया को बुधवार देर रात एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मीडिया में आई खबरों में यह जानकारी दी गई।

समाचारपत्र 'ढाका ट्रिब्यून' ने बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की मीडिया प्रकोष्ठ के सदस्य सैरुल कबीर खान के हवाले से बताया कि पार्टी अध्यक्ष (79) को उनके आवास गुलशन से बुधवार और बृहस्पतिवार की दरमियानी रात करीब 1:40 बजे एवरकेयर अस्पताल में भर्ती कराया गया। जिया के फिजिशियन ए.जेड.एम. जाहिद हुसैन ने कहा कि चिकित्सकों ने पूर्व प्रधानमंत्री की कई जांच कराने की सलाह दी है। अस्पताल में भर्ती होने के बाद उन्हें एक निजी कक्ष में पहुंचाया गया है।

हुसैन ने कहा, ''जांच की रिपोर्ट आने के बाद ही उनके आगे के इलाज के बारे में फैसला किया जाएगा।'' खालिदा जिया इसी अस्पताल में 45 दिन तक इलाज कराने के बाद 21 अगस्त को घर लौटी थीं।

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री जिया पिछले पांच साल से नजरबंद थीं,राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन के आदेश के बाद छह अगस्त को उन्हें रिहा किया गया था।

बीएनपी की अध्यक्ष लंबे समय से विभिन्न बीमारियों से जूझ रही हैं। उन्हें 'लीवर सिरोसिस', गठिया, मधुमेह तथा गुर्दे, फेफड़े, हृदय और आंखों से संबंधित बीमारियां हैं। चिकित्सकों ने 23 जून को उन्हें 'पेसमेकर' लगाया था।

कैंसर से जूझ रही अभिनेत्री हिना खान ने लिया बप्पा का आशीर्वाद

मुंबई/एजेन्सी

स्तन कैंसर से जूझ रही अभिनेत्री हिना खान की कीमोथेरेपी चल चल रही है। इस बीच वह निर्माता एकता कपूर के गणेशोत्सव समारोह में गणपति बप्पा का आशीर्वाद लेने पहुंचीं। सोशल मीडिया पर्सनालिटी रिजवान बाचव ने इस कार्यक्रम की कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में अभिनेत्री हिना को सफेद और पीले रंग के को-ऑर्ड सेट में देखा जा सकता है। इसमें वह अन्य टीवी कलाकारों के साथ नजर आ रही हैं। सभी कलाकार खुशी-खुशी कैमरे के सामने पोज देते नजर आए। तस्वीरों में दिव्यांका त्रिपाठी और उनके पति विवेक दहिया, अनीता हसनंदानी रेड्डी, क्रिस्टल डिसूजा, ऋत्विक धनजानी, रिधिमा पंडित, शब्बीर अहलूवालिया और कांची कौल को भी देखा जा सकता है। एक अन्य बूमरैंग वीडियो में, हिना को अभिनेता साहिल आनंद के साथ पोज देते देखा जा सकता है। साहिल ने इस पोस्ट के कैप्शन में लिखा, बप्पा का आशीर्वाद्। हिना ने 11 सितंबर को अपनी हेल्थ के बारे में अपडेट शेयर किया। उन्होंने कहा कि उनका 'म्यूकोसाइटिस' पहले से काफी बेहतर है। इसके साथ ही उन्होंने अपने फैंस को ढेर सारा प्यार भेजने के लिए धन्यवाद दिया। अभिनेत्री ने स्टोरीज पर कैप्शन देते हुए लिखा, ''मैं आपको कुछ अपडेट देना चाहती हूं। मेरा म्यूकोसाइटिस पहले से बहुत बेहतर है। मैंने आपके सभी कमेंट और सुझावों को पढ़ा है। आप सभी ने मेरी बहुत मदद की है, आप सभी को ढेर सारा प्यार भेज रही हूं।''

इससे पहले, हिना ने खुलासा किया था कि वह पांचवें कीमो इन्फ्यूजन से गुजर रही हैं। 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' में अक्षरा के किरदार के लिए मशहूर हिना ने 'फियर फैक्टर : खतरों के खिलाड़ी 8', 'बिग बॉस 11' और 'बिग बॉस 14' में हिस्सा लिया है। वह 'हैक्ड', 'विशलिस्ट' और एक लघु फिल्म 'स्मार्टफोन' का भी हिस्सा रही हैं।

हिना ने 'भसूड़ी', 'रांझणा', 'हमको तुम मिल गए', 'पत्थर वारगी', 'बारिश बन जाना', 'मैं भी बर्बाद ', 'मोहब्बत है', 'बरसात आ गई' जैसे म्यूजिक वीडियो और असीस कौर एवं साज भट्ट के हालिया ट्रैक 'हल्की हल्की सी' में अभिनय किया है। हिना ने हाल ही में गिप्पी ग्रेवाल के साथ 'शिंदा शिंदा नो पापा' से पंजाबी फिल्म में भी डेब्यू किया था। उनकी अगली फिल्म 'कंट्री ऑफ ब्लाइंड' पाइपलाइन में है।

'विकी विद्या का वो वाला वीडियो' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड स्टार राजकुमार राव और तृप्ति डिमरी अभिनीत रोमांटिक ड्रामा 'विकी विद्या का वो वाला वीडियो' का ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है। राजकुमार राव ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर ट्रेलर वीडियो साझा किया है।ट्रेलर की शुरुआत में 90 के दशक के गाने के साथ राजकुमार राव और तृप्ति की शादी के वीडियो की झलक दिखती है। इस फिल्म में राजकुमार राव और तृप्ति डिमरी ने पति-पत्नी का किरदार निभाया है। इस वीडियो की शुरुआत राजकुमार राव और तृप्ति डिमरी के सुहागरात से होती है जहाँ दोनों अपने सुहागरात की वीडियो को रिकॉर्ड करने की बाते कर रहे होते हैं।वीडियो में विक्की का किरदार निभाने वाले राजकुमार राव अपनी पत्नी यानी तृप्ति डिमरी से कहते हैं कि अंग्रेज अपनी सुहागत का वीडियो बना लेते हैं और फिर जिंदगीभर उसे देखते हैं, तभी उनके बीच का प्यार कभी खत्म नहीं होता। फिर तृप्ति उनकी बातों से सहमत हो जाती हैं और दोनों वीडियो बना लेते हैं।कहानी में एक दिलचस्प मोड़ तब आता है जब वो वाले वीडियो की सीडी उनके घर से चोरी हो जाती है।वीडियो में आगे दिखाया गया है कि इस सीडी चोरी के मामले की तहकीकात करने अभिनेता विजय राज एक अफसर की भूमिका में नजर आते हैं।इस वीडियो में आगे मल्लिका शेहरावत को भी दिखाया गया है। राज शांडिल्य द्वारा लिखित एवं निर्देशित फिल्म 'विकी विद्या का वो वाला वीडियो' हँसी और नाटक का एक मिश्रण है। राजकुमार और तृप्ति डिमरी अभिनीत 'विक्की विद्या का वो वाला वीडियो' आलिया भट्ट की जिगरा के साथ क्लैश करने वाली है। दोनों फिल्में 11 अक्टूबर को रिलीज हो रही है। इस फिल्म में राजकुमार राव, तृप्ति डिमरी , विजय राज, मल्लिका शेहरावत, अर्चना पटेल और अश्विनी कलसेकर जैसे सितारे भी नजर आने वाले है।

31 अक्टूबर को रिलीज होगी होम्बले फिल्म्स की फिल्म 'बघीरा'

मुंबई/एजेन्सी। होम्बले फिल्म्स की आने वाली फिल्म बघीरा 31 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म बघीरा अपनी जबरदस्त कहानी से लेकर एक्शन तक से दर्शकों को अपनी तरफ खींचने वाली है।फिल्म की घोषणा से फिल्म लवर्स के बीच एक्साइटमेंट है, क्योंकि बघीरा न्याय की खोज पर केंद्रित एक दिलचस्प कहानी पेश करने का वादा करती नजर आ रही है। मेकर्स ने हाल ही में फिल्म का पोस्टर शेयर किया है, साथ ही उन्होंने फिल्म की रिलीज की तारीख की घोषणा करते हुए, कैप्शन में लिखा है,न्याय की तलाश शुरू! 31 अक्टूबर को सिनेमाघरों में सुनाई देगी बघीराकी दहाड़।

'हाउसफुल 5' में हुई चित्रांगदा सिंह की एंट्री

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड की मशहूर कॉमेडी फ्रैंचाइज़, हाउसफुल 5,में चित्रांगदा सिंह और डिनो मोरिया की एंट्री हो गयी है। चित्रांगदा सिंह और डिनो आधिकारिक तौर पर हाउसफुल 5 की कास्ट में शामिल हो गए हैं।चित्रांगदा और डिनो इस फिल्म में एक महत्वपूर्ण भूमिका में नज़र आएंगे। चित्रांगदा दो महीने लंबे शेड्यूल की शूटिंग के लिए लंदन जाएंगी।

शेड्यूल का एक हिस्सा क्रूज पर भी शूट किया जाएगा। हाउसफुल 5 की शूटिंग 15 सितंबर से शुरू होगी और इसका लंदन में 45 दिनों का मैराथन शेड्यूल होगा। वहीं डिनो भी जल्द ही लंदन में फिल्म की शूटिंग शुरू करनेवाले हैं। साजिद नाडियाडवाला द्वारा निर्मित फिल्म हाउसफुल 5 का निर्देशन तरुण मनसुखानी कर रहे हैं। इस फिल्म में अक्षय कुमार, रितेश देशमुख, फरदीन खान, संजय दत्त और जैकी श्रॉफ जैसे सितारे भी शामिल हैं। यह फिल्म 2025 में स्क्रीन पर आने पर एक बड़ा मनोरंजन करने वाली फिल्म बनने के लिए तैयार है।

आज रिलीज होगी करीना कपूर की फिल्म 'द बकिंघम मर्डर्स'

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड की जानीमानी अभिनेत्री करीना कपूर की फिल्म 'द बकिंघम मर्डर्स' दो भाषाओं में रिलीज होगी। फिल्म 'द बकिंघम मर्डर्स' के निर्माताओं ने इस फिल्म को अधिक दर्शकों तक पहुचाने के लिए एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। इस फिल्म को दो अलग-अलग संस्करणों में रिलीज किया जाएगा। एक हिंदी-इंग्लिश मिश्रित (हिंग्लिश) और दूसरा पूरी तरह हिंदी डब्ड संस्करण।फिल्म की असली भावना को बनाए रखते हुए, निर्देशक हंसल मेहता ने स्थानीय कलाकारों को कास्ट किया है, जिसकी वजह से उनके एक्सेंट काफी वास्तविक हैं और शायद कुछ दर्शकों को समझने में कठिनाई हो सकती है। इसीलिए, निर्माताओं ने यह फैसला लिया है। विशेष रूप से एक रहस्य थ्रिलर के लिए व्यापक दर्शकों तक पहुंचना महत्वपूर्ण है, और करीना कपूर खान के विशाल फैनबेस को ध्यान में रखते हुए, निर्माताओं ने 50-50 रणनीति अपनाई है। इसका मतलब है कि 50% स्क्रीन हिंग्लिश संस्करण पर और बाकी 50% स्क्रीन हिंदी संस्करण पर दिखाए जाएंगे। यह निर्णय फिल्म निर्माताओं की व्यापक दर्शकों को फिल्म की उपलब्धता सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। 'द बकिंघम मर्डर्स' 13 सितंबर, 2024 को विशेष रूप से सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म में करीना कपूर खान, आश तंडन, रणवीर ब्रार और कीथ एलेन जैसे बेहतरीन कलाकारों की टीम शामिल है।

जूनियर एनटीआर के साथ काम करना चाहती हैं जान्हवी कपूर

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री जान्हवी कपूर का कहना है कि वह जूनियर एनटीआर की बहुत बड़ी प्रशंसक रही हैं और उनके साथ हर एक फिल्म करना चाहती हैं। देवरा पार्ट 1 का ट्रेलर रिलीज़ कर दिया गया है।देवरा पार्ट 1 से जान्हवी कपूर तेलगु सिनेमा में डेब्यू कर रही है। जान्हवी कपूर ने कहा, देवरा पार्ट 1तेलगु सिनेमा में मेरी डेब्यू फिल्म है और सच में ऐसा लग रहा है मेरे घर वापसी भी है क्योंकि मेरी पहली तेलुगु फिल्म है। ये बहुत बहुत खास है। ड्रूमें तारक सर (जूनियर एनटीआर)के साथ हर एक फिल्म

करना चाहती हूं। मुझे बहुत मजा आया। मैंने बहुत कुछ सीखा और हर कोई जानता है कि मैं हमेशा से उनकी कितनी बड़ी प्रशंसक रही हूं और मुझे लगता है कि उनके साथ काम करने के बाद मैं उनकी और भी बड़ी प्रशंसक बन गई हूं। मैं जूनियर एनटीआर के साथ बहुत पहले से काम करना चाहती थीं और 'देवरा' के साथ मेरा यह सपना पूरा हो गया।

कोराटाला शिवा द्वारा निर्देशित और युवासुधा आर्ट्स और एनटीआर आर्ट्स द्वारा निर्मित, नंदामुरी कल्याण राम प्रस्तुत, 'देवरा: भाग 1' 27 सितंबर, 2024 को रिलीज होने वाली है। इस फिल्म में जूनियर एनटीआर जान्हवी कपूर और सैफ अली की अहम भूमिका है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
बेंगलूरु | शुक्रवार | 13-09-2024 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

शहर के विजयनगर तेरापंथ भवन में साध्वीश्री सिद्धप्रभाजी के सान्निध्य में गणाधिपति आचार्यश्री तुलसी के 31वें विकास महोत्सव का आयोजन किया गया।

फैशन और स्टाइल के लिए मशहूर हाई लाइफ प्रदर्शनी कल से

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। फैशन और स्टाइल के लिए देशभर में मशहूर हाई लाइफ प्रदर्शनी यहां 'द ललित अशोक' में 14 सितंबर से शुरू होगी। यह 16 सितंबर तक जारी रहेगी। इसके आयोजकों ने कहा कि इसमें टॉप फेस्टिव फैशन के कई आकर्षक प्रॉडक्ट उपलब्ध होंगे। इस प्रदर्शनी में डिजाइनर परिधान, आभूषण, सहायक सामान, घरेलू सजावट और अन्य चीजों का शानदार कलेक्शन एक ही छत के नीचे उपलब्ध होगा। चाहे आप फैशनप्रेमी हों या अपनी अलमारी को एक नया रूप देना चाहते हों, हाई लाइफ प्रदर्शनी में हर किसी के लिए कुछ न कुछ जरूर होगा।

उन्होंने कहा कि यहां लेटेस्ट ट्रेंड्स मालूम करें, टॉप डिजाइनर्स से मिलें और ऐसे यूनिक प्रॉडक्ट तलाशें जो शॉपिंग के अनुभव को शानदार बनाएंगे। स्टाइल को नया आकार देने और उसमें लग्जरी टच जोड़ने के लिए इस खास मौके को न चूकें। आयोजकों ने कहा कि तीन दिन की इस प्रदर्शनी में फैशन और लाइफ़ स्टाइल के नए आयाम देखने को मिलेंगे।

प्रोत्साहन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु इनर व्हील क्लब विजयनगर द्वारा सरकारी स्कूल के बच्चों के लिए चिन्ना खेल महोत्सव का आयोजन गोविंदराजनगर के बालगंगाधरनाथ स्वामी खेल मैदान में किया, जिसका उद्घाटन विधायक एम. कृष्णप्पा ने दीप प्रज्वलित कर किया। मुख्य अतिथि के रूप में विजयनगर मारुति मेडिकल्स के महेंद्र मुणोत ने विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए।

संत निवेदन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के श्रीरामपुरम स्थित शांतिनाथ जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ के सदस्यों ने चामराजपेट में चातुर्मासार्थ विराजित राजपद्मसागरजी व श्रमणपद्मसागरजीके दर्शन कर क्षमायाचना की तथा शांतिनाथ जैन मंदिर की 25वीं ध्वजारोहण वर्षगांठ पर सान्निध्यता प्रदान करने का निवेदन किया। संतश्री ने निवेदन को स्वीकार कर स्वीकृति प्रदान की। इस मौके पर शांतिलाल खिंवेसरा, प्रसन्न चंडालिया, नरेन्द्र आच्छा, सज्जनराज बरलोटा, चेतन झारमुथा सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

नगर भ्रमण

गुरुवार को बेंगलूरु में हेब्बाल के पास बन रहे बीडीए के फ्लोईओवर कार्यों का निरीक्षण मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने किया। उन्होंने शहर के विभिन्न जगहों पर चल रहे विकास कार्यों को भी देखा। हेन्नूर जंक्शन के पास डामरीकरण का निरीक्षण किया वहीं केआर पुरा रेलवे स्टेशन के निकट मेट्रो कार्य का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री ने केआरपुरम् से विधान सौधा तक मेट्रो ट्रेन में सफर किया।

विजयनगर तेरापंथ भवन में विकास महोत्सव का हुआ आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के विजयनगर तेरापंथ भवन में साध्वीश्री सिद्धप्रभाजी के सान्निध्य में गणाधिपति आचार्यश्री तुलसी के 31वें विकास महोत्सव का आयोजन किया गया। साध्वीश्री सिद्धप्रभाजी ने आचार्य तुलसी द्वारा संघ एवं संपूर्ण मानव जाति के लिए दिए गए आयामों एवं अवदानों को याद करते हुए कहा कि आचार्य श्री तुलसी भविष्य दृष्टा थे। उन्होंने अपनी दूरदर्शी सोच से समय की आवश्यकताओं को समझा और उनका समाधान किया। इसके लिए उन्होंने अनेक वैर-विरोधों को दृढ़ता के साथ सहन किया और आगे बढ़ते गए। आज जब सब मे पद लोलुपत्ता की होड़ लगी हुई है ऐसे में आचार्य श्री तुलसी ने पद का विसर्जन कर आचार्य श्री महाप्रज्ञजी का पदारोहण कर एक नया संदेश दिया। इसके साथ ही समण संस्कृति, परमार्थिक शिक्षण संस्थान, साध्वियों में शिक्षा का विकास, आगम संपादन, जैन विश्व भारती का निर्माण, जीवन विज्ञान जैसे अनेक कार्य कर आचार्य श्री तुलसी ने संघ को समृद्ध बनाया और विश्व पटल पर तेरापंथ धर्म संघ की एक अनुपम तस्वीर पेश की। युग को नई पहचान देने के लिए गुरुदेव को समय-समय पर समाज एवं सरकार द्वारा अनेक उपाधियों से सम्मानित किया गया।

सभा अध्यक्ष मंगल कोचर ने रविवार को शाम को 222वां भिक्षु चरमोत्सव का आयोजन किया जा रहा है जिसमें भजन गायक महेंद्र सिंधी पूना एवं हेमलता पिंपाडा बेंगलूरु अपनी प्रस्तुति देंगे। महिला मंडल अध्यक्षमंजू गदिया ने कहा कि आचार्य तुलसी ने मौलिक परंपराओं को सहेजते हुए संघ का विकास किया। कन्या मंडल से सुश्री निधि चावत व तेयुप के उपाध्यक्ष विकास बांठिया व किशोर मंडल के सहप्रभारी वैभव नाहटा ने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन साध्वीश्री आस्थाप्रभाजी ने किया।

कर्मों का फल हर व्यक्ति को भुगतना ही पड़ता है : साध्वीश्री धर्मप्रभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ हनुमंतनगर के तत्वावधान में एवं साध्वीश्री धर्मप्रभाजी ने कहा कि कर्मों की गति बहुत गहन है। कर्मों का भुगतान किए बिना हमारी आत्मा का तीन काल में भी छुटकारा होने वाला नहीं है। कर्मों की गति बहुत गहन होती है। उनको समझना सामान्य मानव के बस की बात नहीं है।

कर्म बांधने सरल है मगर उनका छुटकारा रोने से भी होने वाला नहीं है। कर्मों का भुगतान संसार में तीर्थकर, चक्रवर्ती, वासुदेव आदि तीर्थकर महापुरुषों को भी करना पड़ता है । सभी जीवों को अपने अच्छे-बुरे किए कर्मों का फल भोगना ही पड़ता है। साध्वीश्री स्नेहप्रभाजी ने कहा कि संसार में धर्म ही अपना है बाकी सब सपना है। व्यक्ति को कर्म करते समय सावधान, जागरूक रहना चाहिए जिससे की उसकी आत्मा के व्यर्थ में कर्मों का बन्धन न हो। एक इंसान धन को कमाते समय जिन कर्मों का बंध करता है, उन कर्मों के उदयकाल में कोई भी सगा-सम्बन्धी हिस्सा बाँटने वाला नहीं है। भगवान के घर में सभी के कर्मों का लेखा-जोखा होता है। उन्होनें उत्तराध्ययन सूत्र में वर्णित एक कथानक के माध्यम से कहा कि कर्म कभी करता का पीछा छोड़ने वाले नहीं है। जो प्रमाद का त्याग कर सम्यक पुरुषार्थ में अपने मन को लगाता हैं वो आत्मा देर-सवेर अवश्य ही अपने कदम मुक्ति मार्ग की ओर बढ़ा लेती है। जो समय पर नहीं जगता, धर्म में सम्यक् पुरुषार्थ नहीं करता वह प्राणी की फिर अपने चौरासी के चक्कर को बढ़ाता रहता है। सभा का संचालन मंत्री सुरेश धोका ने किया।

'अनुशासन प्रेमी संत थे आचार्यश्री तुलसी'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंड्या। शहर के तेरापंथ भवन में साध्वीश्री संयमलताजी के सान्निध्य में विकास महोत्सव का आयोजन किया गया। इस मौके पर साध्वी संयमलताजी ने कहा, आचार्य तुलसी तेरापंथ की धरती पर भोर की किरण बन उतरे, धूप की भांति खिले एवं प्रचंड सूर्य की भांति तपते हुए विश्व की तम को उजालों से भरा। आचार्य तुलसी का पट्टोत्सव विकास महोत्सव के रूप में मनाया जाता है उस महोत्सव का आधार संघीय विकास है, कोई भी संगठन, चाहे सामाजिक, धार्मिक या राजनैतिक हो उसका विकास उसके अनुशासन में है। ऐसे अनुशासन प्रेमी आचार्य भिक्षु ने इस युग को जगाया, उठाया व खड़ा किया। आचार्यश्री जयाचार्य ने चलना सिखाया और विकास पुरुष तुलसी ने दौड़ना। साध्वीश्री मनीषाप्रभाजी ने कहा कि तुलसी विश्व संत हैं जिन्होने अनेक अवदान दिए। अणुव्रत, जैन विश्व भारती, पारमार्थिक शिक्षण संस्था, नया मोड, आगम सम्पादन आदि अवदान अनुकरणीय है जिन्होंने संघ को विकास के शिखर पर पहुंचाया। साध्वी मार्दवश्रीजी ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए कहा कि आचार्य तुलसी एक ऐसे महान व्यक्तित्व का नाम है जो आलौकिक शक्तियों का पुंज है। उनकी चिन्तन शक्ति, विचार शक्ति एवं कार्यशक्ति बेजोड़ थी। इन्ही शक्तियों ने संघ को विकास को ऊंचाई दी।

मन की चंचलता से परेशान है व्यक्ति : विनयमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के श्वेतांबर स्थानकवासी जैन बावीस संप्रदाय संघ के तत्वावधान में गणेश बाग में प्रवचन करते हुए विनयमुनिजी खींचन ने आवश्यक सूत्र की विवेचना करते हुए कहा कि जैन धर्म का दायरा समस्त विश्व के प्राणी जगत् से जुड़ा है।

सूक्ष्म हो या स्थूल, संसारी हो, सिद्ध सभी जीवों से मैत्री-मित्रता के सम्बंध बनाना अति जरूरी है। एक भी प्राणी से वैर की गांठ बांध रखी है तब तक मुक्ति नहीं मिल सकती । भगवान महावीर ने पांच सुख कर्म जन्य मिलते हैं और पांच कर्म के हटने से मिलते है। आरोग्य-दीर्घआयु-सम्पन्नता-मनोज्ञ शब्दरूप और मनोज्ञ गंध रसस्पर्श ये प्रथम पांच बाह्य शरीर जन्य सुख है और पांच अध्यात्म में सन्तोष-अस्ति-दिव्य देव, संयम और अध्याबाध-मुक्ति को माना है।

मानव जितना शरीर से परेशान नहीं है, सबसे ज्यादा मन की चंचलता से परेशान है। चंचलता ही दुःख है। क्षमारुपी माता की गोद तो इतनी आराम दायक है, उसमें ऐसी संजीवनी है जो हमें प्रसन्नता तो प्रदान करती है ही, साथ साथ हमारी आपत्ति को संपत्ति में, कठिनाईयों को आनंदोत्सव में तथा मातम को महोत्सव में परिवर्तित कर देती है।

माल्यासंद्रा सरकारी स्कूल में संस्कारशाला सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के तेरापंथ महिला मंडल राजराजेश्वरीनगर द्वारा समृद्ध राष्ट्र योजना के अंतर्गत संस्कारशाला का चौथा चरण सुमन पटवारी की अध्यक्षता में माल्यासंद्रा स्थित सरकारी स्कूल में आयोजित किया गया। कार्यशाला के विषय माता-पिता एवं बड़ों का सम्मान पर मधु कटारिया ने कहा कि बड़ों का आदर करना हमारे जीवन में बेहद महत्वपूर्ण है। वे हमारे मार्गदर्शक होते हैं और हमें सही दिशा दिखाते हैं। उनका सम्मान करने से हम अपनी संस्कृति को संजोते हैं और खुद को एक बेहतर इंसान बनाते हैं। उन्होंने माता पिता के सम्मान में बच्चों को एक प्रेरणादायक कहानी सुनाई। बच्चों ने बड़ों के सम्मान में एक नाटक का मंचन किया।बच्चों को उपहार वितरित किए गए। संयोजिका पूनम दक ने संयोजन किया।

सड़क दुर्घटना में तीन विद्यार्थियों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां चिक्कजाला पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत एक मोटरसाइकिल पर सवार तीन विद्यार्थियों के अज्ञात भारी वाहन की चपेट में आने से कुचल कर मौत हो गई। जानकारी के अनुसार हेब्बाल के चिक्कजाला में एयरपोर्ट रोड के फोर्ट क्रॉस के पास एक मोटर साइकिल पर सवार तीन बीएससी के विद्यार्थियों की एक भारी वाहन की चपेट में आने से दर्दनाक मौत हो गई। जीकेवीके में हार्टिकल्चर के बीएससी फाइनल में पढ़ रहे सुचित (22) हर्षवर्धन (21) रोहित (21) एक मोटर साइकिल से जा रहे थे। एक अन्य मोटर साइकिल पर उनके दो अन्य मित्र सवार थे। बुधवार रात्रि 1 बजे के आसपास फोर्ट क्रॉस के पास एक भारी वाहन की चपेट में आने से तीनों की घटना स्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई। पुलिस आसपास के सीसीटीवी खंगालकर अज्ञात वाहन का पता लगा रही है।

वहीं एक अन्य दुर्घटना में उप्पारपेट पुलिस थाना क्षेत्र में एक पैदल यात्री रविकुमार (38) की मैजेस्टिक में बीएमटीसी बस की चपेट में आने से मौत हो गई। बुधवार रात्रि 3.30 बजे घटी घटना के समय रविकुमार नेलमंगला से व्हाइटफील्ड जा रहे थे।

कार पलटने से तीन लोगों की मौत

जयपुर। राजस्थान के चूरू जिले के तारानगर थाना क्षेत्र में बृहस्पतिवार को एक कार टायर फट जाने के कारण पलट गई। इस हादसे में कार सवार तीन लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि तारानगर- राजगढ़ मार्ग पर टायर फट जाने से कार पलट गई जिससे उसमें सवार सत्यवान (62), नवीन (50), प्रियांश (ढाई वर्ष) की मौत हो गई जबकि दो महिलाओं समेत पांच अन्य लोग घायल हो गये।

पुलिस ने बताया कि घायलों को उपचार के लिये अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। उसने बताया कि कार में सवार आठ लोग हरियाणा से जोताराम मंदिर जा रहे थे। पुलिस के मुताबिक शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल के मुर्दाघर में रखवाया गया है। परिजनों के पहुंचने पर पोस्टमॉर्टम करवाया जायेगा।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com